मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 179
रविवार, 11 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पीएम मोदी सोमनाथ पहुंचे, मंदिर के उत्सवों और वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' में भाग लेंगे

गुजरात, 10 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने तीन-दिवसीय गुजरात दौरे के तहत सोमनाथ पहुंचे और इस दौरान वह यहां 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' एवं राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' सहित कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। राज्य सरकार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी का गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गिर सोमनाथ जिले के वेरावल कस्बे के पास स्थित प्रसिद्ध सोमनाथ महादेव मंदिर के पास हेलीपैड पर गर्मजोशी से स्वागत किया। हेलीपैड से मोदी अपने काफिले के साथ मंदिर के पास स्थित वीवीआईपी सर्किट हाउस पहुंचे। सड़क के दोनों तरफ बड़ी संख्या में स्थानीय और बाहरी श्रद्धालु मोदी का स्वागत करने के लिए जमा हुए थे।

मोदी 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत देर शाम सोमनाथ मंदिर में ॐकार मंत्र' के जाप में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम मंदिर पर 1000 वर्ष पहले हुए आक्रमण की पृष्ठभूमि में आयोजित किया जा रहा है। ये ह्यस्वाभिमान पर्व' आठ जनवरी को शुरू हुए और 11 जनवरी को समाप्त होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है, बाद में वह मंदिर परिसर में ड्रोन शो देखेंगे। मंदिर से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाने के लिए लगभग 3,000 ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उसकी बैठक की अध्यक्षता करेंगे।'' पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा जारी एक विज्ञप्ति

के अनुसार, रविवार को सुबह लगभग 9:45 बजे प्रधानमंत्री 'शौर्य यात्रा' में भाग लेंगे, जो सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित एक औपचारिक जुलूस है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि शौर्य यात्रा में 108 घोड़ों का प्रतीकात्मक जुलूस निकाला जाएगा, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक होगा। इसके बाद मोदी सुबह करीब 10:15 बजे सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और फिर सुबह 11 बजे 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' पर आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

बयान में कहा गया है कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत के उन अनगिनत नागरिकों को याद करने के लिए मनाया जा रहा है जिन्होंने मंदिर की रक्षा के लिए बलिदान दिया है, जो आने वाली पीढ़ियों की सांस्कृतिक चेतना को प्रेरित करता रहेगा।

महमूद गजनी ने 1026 ईस्वी में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था, जिसके 1,000 वर्ष पूरे होने पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

पीआईबी ने एक बयान में कहा कि सदियों से इसे नष्ट करने के कई बार प्रयास किए जाने के बावजूद सोमनाथ मंदिर आज आस्था और राष्ट्रीय गौरव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है, यह सब मंदिर की प्राचीन महिमा को बहाल करने के सामूहिक संकल्प और प्रयासों के कारण संभव हुआ है।

समाजवादी पार्टी के कई विधायक भाजपा में आने को तैयार: केशव प्रसाद मौर्य

आगरा, 10 जनवरी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) के कई विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आने को तैयार हैं लेकिन भाजपा उन्हें शामिल नहीं कर रही।

आगरा के दौरे पर आये मौर्य ने केंद्र सरकार द्वारा लाई गई विकसित भारत जी राम जी योजना की प्रशंसा करते हुए यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से कहा कि इस नयी व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दलों को इस व्यवस्था से दिक्कत है।

उन्होंने कहा, जब से अखिलेश यादव बिहार में चुनाव हार कर लौटे हैं, तभी से वह बौखलाए और घबराए हुए हैं। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं कि 2027 में सरकार बना लेंगे और समाज को बांटकर राज करेंगे।

मौर्य ने कहा कि सपा ने झूठ फैलाकर 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ सीट जरूर हासिल कर ली थीं लेकिन उस भ्रम को हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार की जनता ने नकार दिया। उन्होंने दावा किया कि सपा के कई विधायक भाजपा में आना चाहते हैं लेकिन भाजपा उन्हें पार्टी में शामिल नहीं कर रही।

उन्होंने सपा प्रमुख के पीडीए नारे पर प्रहार करते हुए कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है और अब इसकी हवा निकल चुकी है।

उपमुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों को राम का नाम लेने में दिक्कत हो रही है, ऐसे लोग ही जी राम जी योजना का विरोध कर रहे हैं।

एकनाथ शिंदे ने साधा उद्धव-राज पर निशाना

मुंबई, 10 जनवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अब मतदाता तथाकथित ब्रांड नेताओं से प्रभावित नहीं होते, बल्कि उन नेताओं का साथ देते हैं जो विकास करते हैं।

ठाणे जिले में होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए शुक्रवार को एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना नेता शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार सक्रिय और प्रभावी ढंग से काम कर रही है, न कि ऐसी सरकार की तरह जो बार-बार कामकाज स्थगित करती रहती हो।

उन्होंने कहा, आने वाले कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव में मतदाता राजनीतिक ब्रांडिंग से आगे बढ़कर काम और विकास को समर्थन देंगे। शिंदे ने बताया कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव से पहले ही 21 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं,

जिससे साफ है कि विपक्ष महायुति के उम्मीदवारों को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों को प्रभावित करने की कोशिशें जरूर हुईं, लेकिन जनता का फैसला साफ तौर पर विकास के पक्ष में है। कल्याण-डोंबिवली को महायुति का गढ़ बताते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस इलाके के मतदाताओं ने सांसद श्रीकांत शिंदे को तीन बार चुनकर गठबंधन पर बार-बार भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य में स्थिर सरकार होने से विकास कार्यों को पूरा करने में कोई रुकावट नहीं है।

अयोध्या राम मंदिर की सुरक्षा में सेंध, नमाज की कोशिश, पकड़े जाने पर लगाए नारे, 3 हिरासत में

अयोध्या, 10 जनवरी। अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर में प्रवेश करने और शनिवार को नमाज अदा करने का प्रयास करने के बाद एक चौंकाने वाली घटना और कथित तौर पर सुरक्षा में बड़ी चूक में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें एक युवती भी शामिल थी। इस घटना के बाद परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कश्मीर निवासी होने का दावा करने वाले दो युवकों और एक महिला के इस समूह ने डी1 गेट से राम मंदिर परिसर में प्रवेश किया।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने कश्मीरी पोशाक पहनी हुई थी। उनमें से एक की पहचान जम्मू-कश्मीर के शोपियन जिले के निवासी अबू अहमद शेख के रूप में हुई है। महिला की पहचान सोफिया के रूप में हुई है, जबकि तीसरे युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा

रोके जाने पर तीनों ने कथित तौर पर धार्मिक नारे लगाए। अधिकारियों के अनुसार, 55 वर्षीय व्यक्ति शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा वाले मंदिर परिसर में दाखिल हुआ, मंदिर के दर्शन किए और बाद में सीता रसोई क्षेत्र के पास बैठ गया, जहां वह कथित तौर पर नमाज पढ़ने की तैयारी कर रहा था।

उसकी हरकतों को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया। मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों ने उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और बाद में पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। सुरक्षाकर्मियों के हस्तक्षेप के दौरान, शेख ने कथित तौर पर नारे लगाए। पुलिस ने बताया कि जांच और खुफिया एजेंसियां उस व्यक्ति से पूछताछ कर रही हैं ताकि उसके मकसद का पता लगाया जा सके। अधिकारी उसकी यात्रा के इतिहास की भी जांच कर रहे हैं, जिसमें अयोध्या आने का उद्देश्य और क्या इस घटना से कोई अन्य व्यक्ति जुड़ा हुआ था, इसकी जानकारी शामिल है। कश्मीरी व्यक्ति ने कथित तौर पर जांच दल को बताया कि वह राजस्थान के अजमेर जा रहा था। पुलिस को उसके सामान से केवल कुछ सूखे मेवे (काजू और किशमिश) ही मिले हैं। घटना के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और खुफिया एजेंसियां ??राम मंदिर परिसर में लागू सुरक्षा उपायों का जायजा ले रही हैं। हालांकि, अभी तक जिला प्रशासन और राम मंदिर ट्रस्ट ने अभी तक इस मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है। ये खबर विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के आधार पर तैयार की गई है।

संपूर्ण हिंदू समाज एक है, कोई भेदभाव नहीं: मोहन भगवत

मथुरा, 10 जनवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को मथुरा के वृंदावन में आयोजित सनातन संस्कृति महोत्सव में भाग लेते हुए हिंदू समुदाय में एकता का आह्वान किया और कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। समारोह को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि भले ही दुनिया हिंदू समुदाय को जाति, धर्म, संप्रदाय और भाषा के आधार पर विभाजित देखती हो, लेकिन वे सभी एक हैं। भगवत ने कहा कि किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। हम जिस समाज में रहते हैं उसे एक मानते हैं; हमारा मानना है कि पूरा हिंदू समाज एक है, फिर भी दुनिया इसमें भाषा, जाति, संप्रदाय और समुदाय जैसे कई विभाजन देखती है। दुनिया जितने प्रकार के हिंदुओं को पहचानती है, मेरे उन सभी प्रकारों के मित्र हैं - हम एक-दूसरे से मिलने जाते हैं, साथ खाते-पीते हैं,

सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं, उन्हें मित्र मानते हैं। इससे पहले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने 1 जनवरी को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित श्री राम मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। बुधवार को आरएसएस के शताब्दी समारोह के अवसर पर भगवत ने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस अवसर को ₹वीरता₹ का कार्य नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का क्षण समझना चाहिए। यहां एक हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए भगवत ने कहा कि संघ के कार्य के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं, इसलिए देशभर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि शताब्दी समारोह शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं है। उन्होंने कहा, यह वीरता नहीं है। आरएसएस प्रमुख ने संगठन की उत्पत्ति को याद करते हुए कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने रक्त से इस संघ की स्थापना की।

पश्चिम बंगाल में पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट, चार लोग घायल

परगना। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में शनिवार को पटाखा निर्माण करने वाली एक इकाई में विस्फोट हुआ जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह धमाका चम्पाहाटी इलाके में स्थित एक फैक्टरी में हुआ। बररुईपुर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इस विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए चार लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारी ने कहा कि धमाके के कारण लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को लगाया गया है।

दुनिया में मंदीः भारत में आर्थिक मजबूती की रोशनी

-ललित गर्ग

वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनावों, युद्धों, महामारी के पश्चात बनी अस्थिरताओं, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महँगाई के दबावों के बीच जब दुनिया की अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ लड़खड़ा रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े आँकड़े आशा, भरोसे और आत्मविश्वास की एक सशक्त किरण बनकर उभरे हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है लगभग 7.4 प्रतिशत की विकास दर पर कायम रहना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों की दृढ़ता, दूरदर्शिता, पारदर्शिता और संतुलन का प्रमाण है। जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास-यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही

हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। जिससे कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि का मूल आधार सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन रहा है। वस्तु एवं सेवा कर जैसे बड़े सुधारों ने भारतीय बाजार को एकीकृत किया, व्यापार को सुगम बनाया और कर-संग्रह की पारदर्शिता बढ़ाई। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद, आज जीएसटी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी आधार बन चुका है। इसके साथ ही दिवालियापन एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों की स्थिति को मजबूत किया, जिससे फंसे हुए ऋणों की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगा। बैंकिंग प्रणाली की यह मजबूती ही है, जिसने निवेश और उद्यमिता को नई ऊर्जा दी है। मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि उसने घरेलू मांग को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र और मध्यम वर्ग को सहारा देने वाली योजनाओं ने उपभोग को बनाए रखा। बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश ने न केवल रोजगार के अवसर पैदा किए, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद की। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क-इन सभी क्षेत्रों में हुए विस्तार ने भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा कारण उसकी संतुलित विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ व्यावहारिक संबंध भी हैं। जहां एक ओर भारत ने विकसित देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सुदृढ़ किया, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया। यह संतुलन भारत को बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखता है। ऊर्जा, रक्षा, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने भी भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत की अर्थव्यवस्था में नवाचार और उद्यमिता की नई लहर पैदा की। आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हुए नवाचार न केवल घरेलू बाजार को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान बना रहे हैं। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाया, जिससे आर्थिक गतिविधियों का दायरा विस्तृत हुआ और पारदर्शिता में सुधार आया।

महत्त्वपूर्ण यह भी है कि मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को सामाजिक कल्याण से अलग नहीं किया। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली योजनाओं ने सामाजिक स्थिरता को बनाए रखा, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य होती है। सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति ने एक ऐसी नींव तैयार की, जिस पर टिकाऊ विकास संभव हो सका। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और विश्वास कमजोर नहीं पड़ा। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह स्थिति केवल वर्तमान उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत है। वर्ष 2047, जब भारत अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब दुनिया की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित यात्रा का परिणाम प्रतीत होता है। जनसांख्यिकीय लाभ, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक स्थिरताकृये सभी तत्व भारत को इस लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं।

निस्संदेह चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक परिस्थितियां कभी भी अचानक बदल सकती हैं, जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव नई कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। लेकिन जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है, वह यह भरोसा देता है कि देश आगे भी संतुलन बनाए रखते हुए प्रगति करता रहेगा। 7.4 प्रतिशत की विकास दर केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उजली तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। निर्णायक नेतृत्व, दीर्घकालिक सोच और सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक ऐसे मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहां संभावनाएं अनंत हैं। वैश्विक असंतुलन और अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत बने रहना न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया के लिए भी एक संदेश है कि स्थिरता, संतुलन और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलकर कोई भी राष्ट्र वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है। यही भारत की आर्थिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले दशकों की सबसे बड़ी आशा की किरण है। इन सब सकारात्मक स्थितियों के बावजूद जरूरत इस बात की भी है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

विश्वविद्यालय, सत्ता और साहित्य की अपमानित गरिमा

-प्रियंका सौरभ

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम के दौरान हिन्दी के वरिष्ठ कथाकार मनोज रूपड़ा के साथ हुआ सार्वजनिक दुर्व्यवहार केवल एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे समय के अकादमिक और सांस्कृतिक जीवन में गहराते संकट का स्पष्ट संकेत है। किसी आमंत्रित लेखक को मंच पर अपमानित करना और कार्यक्रम से बाहर जाने के लिए कहना उस परंपरा के सर्वथा विपरीत है, जिसमें विश्वविद्यालयों को विचारों के मुक्त आदानझप्रदान, असहमति के सम्मान और रचनात्मक संवाद के केंद्र के रूप में देखा जाता रहा है। यह घटना व्यक्ति-विशेष तक सीमित नहीं है; यह साहित्य, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बौद्धिक गरिमा पर सीधा आघात है।

विश्वविद्यालयों की ऐतिहासिक भूमिका सत्ता के अनुचर बनने की नहीं रही है। नालंदा और तक्षशिला जैसी प्राचीन ज्ञान-परंपराओं से लेकर आधुनिक विश्वविद्यालयों तक, इन संस्थानों ने सदैव प्रश्न पूछने, तर्क करने और स्थापित धारणाओं को चुनौती देने की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाली मशीनें नहीं होते, बल्कि वे समाज की चेतना को दिशा देने वाले केंद्र होते हैं। यहां विचारों की विविधता, मतभेद और बहस को कमजोरी नहीं, बल्कि बौद्धिक शक्ति माना जाता है। ऐसे में जब किसी विश्वविद्यालय के भीतर सत्ता-प्रदर्शन, अहंकार और असहिष्णुता का दृश्य सामने आता है, तो यह केवल एक कार्यक्रम की विफलता नहीं, बल्कि संस्थागत मूल्यों के क्षरण का प्रमाण बन जाता है।

मनोज रूपड़ा समकालीन हिन्दी कथा साहित्य का एक सशक्त और प्रतिष्ठित नाम हैं। उनकी कहानियाँ और उपन्यास सत्ता, समाज और व्यक्ति के जटिल संबंधों को बेबाकी से उजागर करते हैं। वे उन लेखकों में शामिल हैं जिन्होंने साहित्य को केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक हस्तक्षेप का माध्यम माना है। ऐसे लेखक को आमंत्रित करना स्वयं विश्वविद्यालय की बौद्धिक प्रतिबद्धता और खुलेपन का प्रतीक होना चाहिए था। किंतु उनके साथ हुआ व्यवहार यह दशार्ता है कि कहीं न कहीं आलोचनात्मक दृष्टि और स्वतंत्र विचार से असहजता ने विवेक पर विजय पा ली। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या विश्वविद्यालय अब केवल औपचारिक आयोजनों, प्रशस्ति-पाठों और सत्ता-अनुकूल वक्तव्यों तक सीमित रह जाएंगे?

कुलपति जैसे पद से केवल प्रशासनिक दक्षता की नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व और अकादमिक संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है। यह पद संयम, संवाद और समावेशन का प्रतीक होना चाहिए। विश्वविद्यालय का मुखिया यदि आलोचना या असहमति को व्यक्तिगत चुनौती मानने लगे, तो उसका प्रभाव केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहता। भय का वातावरण धीरे-धीरे पूरे परिसर में फैलने लगता है। शिक्षक खुलकर बोलने से कतराने लगते हैं, विद्यार्थी प्रश्न पूछने से डरने लगते हैं और रचनात्मकता आत्म-सेंसरशिप की भेंट चढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय अपने मूल उद्देश्य से भटक जाता है और ज्ञान का केंद्र होने के बजाय अनुशासन और नियंत्रण का उपकरण बन जाता है।

इस घटना का एक और चिंताजनक पक्ष यह है कि संस्थागत स्तर पर आमंत्रित साहित्यकार के सम्मान की रक्षा के लिए अपेक्षित संवेदनशीलता और दृढ़ता दिखाई नहीं दी। साहित्यिक आयोजनों की सफलता केवल मंच-सज्जा, पोस्टरों और औपचारिक भाषणों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि वहां संवाद कितना खुला, सम्मानजनक और अर्थपूर्ण रहा। जब किसी लेखक का अपमान होता है और संस्था मौन साध लेती है, तो वह मौन भी एक प्रकार की स्वीकृति बन जाता है। यह चुप्पी भविष्य में और अधिक दमनकारी व्यवहारों को प्रोत्साहित करती है और संस्थान की नैतिक विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

यह याद दिलाना आवश्यक है कि विश्वविद्यालय किसी व्यक्ति या पदाधिकारी की निजी जागीर नहीं होते। वे सार्वजनिक संसाधनों, करदाताओं के धन और समाज के विश्वास से संचालित होते हैं। यहां लिए गए निर्णय और प्रदर्शित व्यवहार समाज के लिए संदेश का काम करते हैं। यदि विश्वविद्यालयों में सत्ता का मद, व्यक्तिगत अहंकार और असहिष्णुता हावी हो जाए, तो समाज में संवाद की जगह टकराव और भय की संस्कृति पनपने लगती है। यह प्रवृत्ति न केवल साहित्य और शिक्षा के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी घातक है, क्योंकि लोकतंत्र का आधार ही विचारों की बहुलता और असहमति का सम्मान है।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा में साहित्य और बौद्धिक विमर्श की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आजादी की लड़ाई से लेकर सामाजिक सुधार आंदोलनों तक, लेखकों और विचारकों ने सत्ता से सवाल पूछे हैं और समाज को आत्मावलोकन के लिए प्रेरित किया है। यदि आज विश्वविद्यालयों में ही लेखकों और विचारकों को अपमानित किया जाएगा, तो यह उस परंपरा का घोर अपमान होगा जिसने हमें एक जीवंत लोकतांत्रिक समाज बनाया है। यह विडंबना ही है कि जिन संस्थानों से वैचारिक नेतृत्व की अपेक्षा की जाती है, वही यदि असहिष्णुता का उदाहरण प्रस्तुत करने लगें, तो समाज किस दिशा में जाएगा?

इस पूरे घटनाक्रम में यह अवश्य उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के कुछ अध्यापकों ने स्थिति को संभालने और सम्मानजनक समाधान खोजने का प्रयास किया। यह दशार्ता है कि संस्थान के भीतर अभी भी विवेक और संवेदनशीलता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। किंतु यह भी सत्य है कि जब सत्ता का मद विवेक पर हावी हो जाता है, तब व्यक्तिगत प्रयास अक्सर निष्प्रभावी सिद्ध होते हैं। संस्थागत संस्कृति तभी बदलती है, जब नेतृत्व स्वयं संवाद और आत्मालोचना के लिए तैयार हो।

यह घटना हमें साहित्यकारों और बौद्धिक वर्ग की भूमिका पर भी पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करती है। जब किसी लेखक के साथ अन्याय होता है और पूरा साहित्यिक समुदाय मौन साध लेता है, तो यह मौन स्वयं में एक राजनीतिक और नैतिक वक्तव्य बन जाता है। इतिहास साक्षी है कि चुप्पी ने हमेशा सत्ता को मजबूत किया है और प्रतिरोध को कमजोर। यदि आज इस घटना पर स्पष्ट और सामूहिक प्रतिक्रिया नहीं होगी, तो कल किसी और लेखक, किसी और विचार और किसी और मंच पर यही दुहराया जाएगा।

साहित्य का मूल स्वभाव प्रश्नाकुलता और प्रतिरोध का है। वह सत्ता के समक्ष नतमस्तक होने के लिए नहीं, बल्कि उसे आईना दिखाने के लिए पैदा हुआ है। यदि साहित्यकार ही अपने सम्मान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए खड़े नहीं होंगे, तो साहित्य धीरे-धीरे केवल करियर और पुरस्कारों तक सिमट जाएगा। तब वह समाज की आत्मा नहीं, बल्कि व्यवस्था का सजावटी उपकरण बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता है कि विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षक, विद्यार्थी और साहित्यिक समाज इस घटना से सबक लें। विश्वविद्यालयों को आत्ममंथन करना होगा कि वे किस प्रकार के अकादमिक वातावरण को बढ़ावा दे रहे हैं। क्या वे संवाद और बहस को प्रोत्साहित कर रहे हैं, या भय और आज्ञाकारिता को? साहित्यिक आयोजनों को केवल औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि जीवंत वैचारिक मंच के रूप में देखना होगा, जहां असहमति भी सम्मान के साथ व्यक्त की जा सके।

यह घटना शर्मनाक है और इसकी कड़ी निंदा आवश्यक है, लेकिन निंदा से आगे बढ़कर ठोस आत्मालोचना और सुधार की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी भी आमंत्रित लेखक या वक्ता के साथ ऐसा व्यवहार न हो। अकादमिक स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा केवल कागजी नीतियों से नहीं, बल्कि व्यवहार और संस्कृति से होती है।

अंततः प्रश्न केवल मनोज रूपड़ा या किसी एक कार्यक्रम का नहीं है। प्रश्न यह है कि हम किस प्रकार के विश्वविद्यालय और किस प्रकार का समाज बनाना चाहते हैं। यदि हम विचार से डरेंगे, प्रश्न से घबराएंगे और असहमति को अपमान से दबाने की कोशिश करेंगे, तो हम एक जीवंत लोकतंत्र की जगह एक भयग्रस्त समाज की ओर बढ़ेंगे। विश्वविद्यालयों को यह याद रखना होगा कि उनका अस्तित्व सत्ता की कृपा से नहीं, बल्कि ज्ञान, संवाद और स्वतंत्र चेतना से है। यदि यही चेतना कुचल दी गई, तो विश्वविद्यालय केवल इमारतें रह जाएंगे–ज्ञान के नहीं, बल्कि मौन के स्मारक।

भारत-अमरीका व्यापार समझौते में इतना समय क्यों लग रहा है?

व्यापार नीति नहीं, बल्कि सुरक्षा पर निर्भरता, वाशिंगटन की अन्य देशों के साथ इतनी तेजी से व्यवहार करने की वजह है और यही कारण है कि भारत अपनी स्थिति पर अड़ा हुआ है। भारत ने अभी तक अमरीका (यू.एस.) के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता क्यों नहीं किया, जबकि दोनों देशों ने अन्य सांझेदारों के साथ तेजी से समझौते किए हैं? पिछले 4 वर्षों में ही भारत ने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ब्लॉक, यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आई.पी.ई.एफ.) के सदस्यों के साथ व्यापार समझौते संपन्न किए हैं, जिसमें अमरीका भी शामिल है। पिछले 6 महीनों में वाशिंगटन ने जापान, यूरोपीय संघ (ई.यू.), ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, वियतनाम और मलेशिया के साथ त्वरित व्यापार समझौते किए हैं। तो फिर भारत-अमरीका समझौते में इतना समय क्यों लग रहा है?

इसके दो मुख्य कारण हैं- पहला, अमरीका के साथ तेजी से व्यापार समझौते करने वाले अधिकांश देश अपनी सुरक्षा के लिए वाशिंगटन पर काफी हद तक निर्भर हैं। जबकि भारत के साथ ऐसा नहीं है। दूसरा, अमरीका-भारत व्यापार वात्र्ता व्यापार से कहीं आगे बढ़कर वाशिंगटन के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक और नीतिगत क्षेत्रों तक फैली हुई है। ये दो कारक बातचीत को जटिल बनाते हैं और यही कारण है कि समझौता होने में उम्मीद से अधिक समय लग रहा है। उदाहरण के लिए, जापान और दक्षिण कोरिया अमरीका के औपचारिक संधि सहयोगी हैं और बड़ी संख्या में अमरीकी सैनिकों की मेजबानी करते हैं, विशेष रूप से उत्तर कोरिया और चीन से उत्पन्न खतरों को देखते हुए। यूरोप में भी यही पैटर्न देखने को मिलता है। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के माध्यम से ब्रिटेन अमरीका के सबसे करीबी रणनीतिक सांझेदारों में से एक बना हुआ है। ऐसे मामलों में, व्यापार वाताएं रणनीतिक गठबंधन से प्रभावित होने के कारण, अमरीकी मांगों के प्रति प्रतिरोध सीमित रहता है।

दक्षिणपूर्व एशिया में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। पारस्परिक रक्षा संधि से बंधे फिलीपींस ने हाल के वर्षों में अमरीकी सैन्य पहुंच का विस्तार किया है। संधि के तहत सहयोगी देश थाईलैंड भी अमरीकी सुरक्षा ढांचे में गहराई से जुड़ा हुआ है। इन देशों के लिए व्यापार समझौते सुरक्षा निर्भरता पर आधारित एक व्यापक भू-राजनीतिक सौदे का हिस्सा हैं। भारत की स्थिति अलग है। यह अपनी सुरक्षा के लिए अमरीका पर निर्भर नहीं है और सैन्य दबाव के माध्यम से इस पर दबाव नहीं डाला जा सकता। यह रणनीतिक स्वायत्तता व्यापार वात्र्ताओं के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल देती है। अमरीका-भारत व्यापार समझौते के लिए फरवरी 2025 में बातचीत शुरू हुई थी लेकिन वाशिंगटन भारत पर दबाव डाल रहा है कि वह विनियमन और प्रौद्योगिकी से लेकर ऊर्जा और भू-राजनीति तक के क्षेत्रों में अमरीकी हितों के अनुरूप प्रमुख घरेलू नीतियों को फिर से आकार दे। अमरीका चाहता है कि भारत अमरीकी तेल और रक्षा उपकरण अधिक खरीदे, डाटा और डिजिटल नियमों में ढील दे और ब्रिक्स सांझेदारों, विशेष रूप से रूस और चीन से दूरी बनाए रखे।

इस बीच, भारत ने पहले ही महत्वपूर्ण रियायतें दी हैं। पिछले एक वर्ष में, अमरीका से इसके तेल आयात में लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसने अपने परमाणु दायित्व ढांचे के कुछ पहलुओं को समायोजित किया है और स्टारलिंक को परिचालन शुरू करने की अनुमति दी है, हालांकि यह चिंता बनी हुई है कि अप्रतिबंधित उपग्रह पहुंच संवेदनशील क्षेत्रों में संप्रभु नियंत्रण को कमजोर कर सकती है। भारत ने डिजिटल लेन-देन कर भी हटा दिया है। फिर भी, वाशिंगटन डेयरी उत्पादों और मक्का और सोयाबीन सहित अनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों के लिए अप्रतिबंधित पहुंच पर जोर दे रहा है, जो पर्यावरण, राजनीतिक और सामाजिक चिंताओं के कारण भारत में एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है।

हालांकि दोनों पक्ष चुप हैं और कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई, ऐसा प्रतीत होता है कि वातार्कार समझौते की सीमा तक पहुंच चुके हैं और अब यह समझौता राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसले का इंतजार कर रहा है। देरी का उद्देश्य भारत से और अधिक रियायतें हासिल करना हो सकता है। हालांकि, भारत को रूसी कच्चे तेल पर स्पष्ट निर्णय लेना होगा। भारतीय रिफाइनरियों ने खरीद कम करने का इरादा जताया है लेकिन रूसी तेल का प्रवाह जारी है, जो नवम्बर में भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग 35 प्रतिशत यानी 72 मिलियन टन था। पिछले 6 महीनों में अमरीका को निर्यात में 20.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। स्पष्ट रूप से वाशिंगटन भारत की स्थिति को और जटिल बना रहा है, रूसी तेल आपू?त में कटौती से अमरीकी दबाव के समाप्त होने की कोई गारंटी न होना। व्यापार समझौता तभी सार्थक होता है जब वह निष्पक्ष और पारस्परिक हो। यदि इसकी कीमत रणनीतिक निर्भरता या नीतिगत स्वतंत्रता का नुकसान है, तो प्रतीक्षा करना ही समझदारी भरा विकल्प है। **-अजय श्रीवास्तव**

संतान मोह या मृत्यु-पाश? 17वें संस्कार की अनदेखी कहीं बुझा न दे आपके घर का चिराग

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

उत्सव से मातम तक का सफर..!

सड़क पर बिखरे कांच के टुकड़े, धातु का मलबा, मृत मानव शरीर और वहां पड़ा डिस्पोजल ग्लास जिस पर लिखा था ₹हैप्पी बर्थडे प्रखरर₹। यह दृश्य महज एक दुर्घटना स्थल का नहीं, बल्कि उन सपनों के अंत का है जो कुछ ही घंटे पहले एक जन्मदिन की पार्टी में खिलखिला रहे थे। अभी तो केक का स्वाद भी जुबां से नहीं उतरा था, बधाइयों का शोर थमा भी नहीं था कि काल ने ऐसा क्रूर अट्टहास किया कि सबकुछ शांत हो गया।

हाल ही में इंदौर के तेजाजी नगर बाईपास पर हुई हृदयविदारक घटना, जिसमें तीन होनहार युवाओं की जान चली गई, ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। 100 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार, एयरबैग्स के खुलने के बावजूद जीवन का न बच पाना, और कार से मिली शराब की बोतलें ये सब एक भयावह कहानी बयां करते हैं।

यह लेख किसी की आलोचना के लिए नहीं, बल्कि एक विनम्र सामाजिक चेतावनी और अभिभावकों से करबद्ध प्रार्थना के रूप में लिखा गया है।

सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी : चेतावनी या इल्जाम?

इंदौर की सड़कों पर मौत का जो तमाशा रोजाना हो रहा है, वह अब हादसा नहीं कहा जा सकता। यह एक निरंतर घट रही त्रासदी है, जिसके जिम्मेदार कोई और नहीं, हम स्वयं हैं। हादसों के बढ़ते आंकड़े किसी चेतावनी की तरह नहीं, बल्कि एक इल्जाम की तरह हमारे सामने खड़े हैं। यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, 2025 के पहले 10 महीनों में 1600 से अधिक सड़क हादसों में 122 मौतें हुई हैं। ये आंकड़े महज फाइलों में दर्ज संख्याएं नहीं हैं। ये उन घरों की कहानी हैं जहाँ अब किलकारियां नहीं गूँजतीं, उन माताओं की पथरायी आँखें हैं जो दरवाजे की ओर ताकती रह जाती हैं, और उन पिता की कहानी है जिनके बुढ़ापे की लाठी टूट चुकी है।

आज शहर में नियम तोड़ना एक 'स्टेटस सिंबल' बन गया है। हेलमेट पहनना 'बोझ' लगता है और लाल बत्ती पर रुकना 'समय की बबार्दी'। समाज में एक विकृत मानसिकता घर कर गई है जहाँ नियम मानने वाले को 'डरपोक' और नियम तोड़कर भागने वाले को 'स्मार्ट' समझा जाता है। जब अनुशासन को कमजोरी और अंधाधुंध रफ्तार को शान समझा जाने लगे, तो समझ लीजिए कि समाज पतन की ओर अग्रसर है।

17वां संस्कारः यातायात नियम पालन (जीवन रक्षा संस्कार)

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म दर्शन, गभार्धान से लेकर अंत्येष्टि तक, 16 संस्कारों की एक सुव्यवस्थित परंपरा पर आधारित है। इन संस्कारों का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को अनुशासित, मर्यादित और उद्देश्यपूर्ण बनाना है।

किंतु, आज के मशीनी युग में, जहाँ हमारे बच्चे आधुनिक और शक्तिशाली इंजन से लैस तीव्रगामी वाहनों से खेल रहे हैं, वहां 16 संस्कार अधूरे सिद्ध हो रहे हैं। गभार्धान से लेकर विवाह तक के संस्कार तो हम बड़े धूम-धाम से करते हैं, लेकिन यदि 'सड़क सुरक्षा' का संस्कार नहीं दिया गया, तो अंतिम संस्कार (अंत्येष्टि) की नौबत असमय ही आ जाती है।

लाइसेंस या डेथ वारंट? 18 साल का होते ही (या कई बार उससे पहले ही) हम बच्चों की जिद के आगे झुककर उन्हें तेज रफ्तार बाइक या कार थमा देते हैं। क्या आपने कभी यह सुनिश्चित किया कि घर बैठे लायसेंस बनवाने से पहले उन्हें विधिवत 'ड्राइविंग ट्रेनिंग' मिली है? क्या उन्हें पता है कि 100 की रफ़्तार पर गाड़ी मात्र 3 सेकंड में मौत का सबब बन सकती है? बिना कठोर प्रशिक्षण और संस्कारों के हाथ में गाड़ी थमाना, बच्चे के हाथ में लोडेड बंदूक देने जैसा है। संसाधन और निगरानीः संपन्नता बुरी नहीं है, लेकिन निगरानी विहीन संपन्नता घातक है। बच्चे देर रात कहाँ जा रहे हैं, किस हालत में लौट रहे हैं, और उनकी गाड़ी में क्या सामग्रियां (जैसे शराब की बोतलें) मिल रही हैं, यह देखना पुलिस का काम बाद में है, पहले माता-पिता का धर्म है। ₹मेरा बच्चा ऐसा नहीं कर सकता₹ इस भ्रम से बाहर निकलिए।

इसलिए, आज समय की मांग है कि 'यातायात नियम पालन' को 17वां और अनिवार्य संस्कार माना जाए। यह संस्कार डर से नहीं, चालान के भय से नहीं, बल्कि 'जीवन के प्रति सम्मान' के भाव से आना चाहिए। जिस तरह हम बच्चे को बोलना, चलना और बड़ों का आदर करना सिखाते हैं, उसी तरह सड़क पर चलते समय हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, और गति सीमा का पालन करना भी घुट्टी में पिलाना होगा। अभिभावकों से यक्ष प्रश्नः क्या हम स्वयं अपनी संतानों की मौत का कारण बन रहे हैं?

अखबार की सुर्खियाँ चीख-चीख कर पूछ रही हैं ₹ये किस नशे में तेज रफ्तार पर सवार हो मेरे बच्चों?। आज हर माता-पिता से कुछ कड़वे सवाल पूछने का समय आ गया है:

आचरण बनाम उपदेशः आप अपने बच्चों को झूठ न बोलने और चोरी न करने का संस्कार देते हैं, लेकिन जब आप स्वयं लाल बत्ती तोड़ते हैं, बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाते हैं, गलत दिशा में वाहन दौड़ाते हैं या नशे में वाहन चलाते हैं, तो बच्चा क्या सीखता है? याद रखिए, बच्चे आपके उपदेश नहीं सुनते, वे आपका आचरण देखते हैं। यदि आप सड़क पर अनुशासनहीन हैं, तो आप नैतिक रूप से अपने बच्चे को सुरक्षित ड्राइविंग का पाठ पढ़ाने के अधिकारी नहीं हैं।

लाइसेंस या डेथ वारंट? 18 साल का होते ही (या कई बार उससे पहले ही) हम बच्चों की जिद के आगे झुककर उन्हें तेज रफ्तार बाइक या कार थमा देते हैं। क्या आपने कभी यह सुनिश्चित किया कि घर बैठे लायसेंस बनवाने से पहले उन्हें विधिवत 'ड्राइविंग ट्रेनिंग' मिली है? क्या उन्हें पता है कि 100 की रफ़्तार पर गाड़ी मात्र 3 सेकंड में मौत का सबब बन सकती है? बिना कठोर प्रशिक्षण और संस्कारों के हाथ में गाड़ी थमाना, बच्चे के हाथ में लोडेड बंदूक देने जैसा है।

संसाधन और निगरानीः संपन्नता बुरी नहीं है, लेकिन निगरानी विहीन संपन्नता घातक है। बच्चे देर रात कहाँ जा रहे हैं, किस हालत में लौट रहे हैं, और उनकी गाड़ी में क्या सामग्रियां (जैसे शराब की बोतलें) मिल रही हैं, यह देखना पुलिस का काम बाद में है, पहले माता-पिता का धर्म है। ₹मेरा बच्चा ऐसा नहीं कर सकता₹ इस भ्रम से बाहर निकलिए।

सहानुभूति और कड़वा सचः रिपोर्टिंग का नया दृष्टिकोण

जब कोई दुर्घटना होती है, तो हमारी पहली प्रतिक्रिया 'सहानुभूति' की होती है। हम ₹होनहार हो गईर₹, ₹भाग्य का खेलर₹ कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। लेकिन, सहानुभूति यदि सच्चाई से मुंह मोड़ ले, तो वह समाज के लिए घातक है। हालिया इंदौर हादसे की रिपोर्टिंग हमें एक आईना दिखाती है। मीडिया रिपोर्ट्स में स्पष्ट आया कि कार की गति अत्यंत तेज थी, उसमें शराब की बोतलें मिलीं और सीट बेल्ट का उपयोग संभवतः नहीं हुआ था (क्योंकि शव बोनट तक आ गिरे थे)।

हमें स्वीकार करना होगा कि नशा + रफ्तार = मौत। विमान हादसों के बाद 'ब्लैक बॉक्स' का विश्लेषण इसलिए नहीं किया जाता कि पायलट को दोषी ठहराया जाए, बल्कि इसलिए ताकि भविष्य की उड़ानें सुरक्षित हों। ठीक उसी तरह, सड़क हादसों के कारणों चाहे वह शराब हो, मोबाइल का उपयोग हो, या सीट बेल्ट का न होना–पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। यह मृतकों का अपमान नहीं, बल्कि जीवितों को बचाने का प्रयास है। यदि हम अपने बच्चों को यह सच नहीं बताएंगे कि देखो, एक छोटी सी गलती ने कैसे तीन घरों के चिराग बुझा दिए, तो वे कभी नहीं सीखेंगे।

अभी नहीं, तो कभी नहीं

इंदौर ने स्वच्छता में देश को राह दिखाई है। हमारे शहर के नागरिक जागरूक हैं, समर्थ हैं। क्या हम सड़क पर 'सभ्य आचरण' की परीक्षा में यूं ही फेल होते रहेंगे? क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को सड़कों पर रक्तिम हस्ताक्षर करने के लिए छोड़ देंगे? नहीं! अब और सहनशीलता आत्मघाती होगी। अभिभावकों से विनम्र और कातर पुकार! आप अपने अत्यधिक लाड़-प्यार को बच्चों के असमय चले जाने का कारण मत बनने दीजिए। उन्हें गाड़ी की चाबी देने से पहले संस्कारों की चाबी दीजिए। यह सुनिश्चित कीजिये कि जब तक वे मानसिक और तकनीकी रूप से परिपक्व न हों, स्टेयरिंग न थामें। और सबसे पहले, स्वयं सुधरिये। आप सीट बेल्ट लगाएंगे, तो बच्चा लगाएगा। आप धीरे चलेंगे, तो बच्चा संयम सीखेगा। यातायात नियमों का पालन कोई सरकारी आदेश नहीं, बल्कि आपके परिवार की मुस्कान को सुरक्षित रखने का एकमात्र कवच है। आइए, आज ही संकल्प लें–यातायात नियम पालन हमारा 17वां संस्कार है, और हम इसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। क्योंकि घर पर कोई आपका इंतजार कर रहा है... और वो इंतजार कभी अंतहीन मातम में नहीं बदलना चाहिए।

बोईसर में जगद्गुरु नरेंद्र महाराज भक्तसेवा मंडल का मानवसेवा हेतु रक्तदान शिविर आज

पालघर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक दायित्व और मानव सेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जगद्गुरु रामानंदाचार्य श्री नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान के मार्गदर्शन में जगद्गुरु नरेंद्र महाराज भक्तसेवा मंडल, बोईसर की ओर से रविवार 11 जनवरी 2026 को बोईसर के भीमनगर स्थित चिराग विद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इस रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद एवं गंभीर रोगियों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति व्यापक जन-जागरूकता पैदा करना है। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों एवं प्रशिक्षित चिकित्साकर्मियों की देखरेख में पूर्णतः सुरक्षित, स्वच्छ एवं शासन-मान्यता प्राप्त पद्धति से रक्त संग्रह किया जायेगा। शिविर की शुरूआत स्वामी नरेंद्राचार्य महाराज की प्रतिमा के पूजन के साथ की जाएगी। इस अवसर पर जगद्गुरु नरेंद्र महाराज संस्थान से जुड़े पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, युवक, महिलाएं तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।

आयोजकों के अनुसार, रक्तदान सर्वोत्तम दान है। जाति, धर्म और आर्थिक भेदभाव से ऊपर उठकर किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। पूर्व में आयोजित ऐसे रक्तदान शिविरों को नागरिकों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला है और बड़ी मात्रा में रक्त संग्रह किया गया है। रक्तदान करने वाले प्रत्येक दाता के लिए आवश्यक पूर्व चिकित्सीय जांच तथा रक्तदान प्रमाणपत्र की समुचित व्यवस्था की गई है। शिविर को सफल बनाने के लिए भक्तसेवा मंडल के अनेक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और परिसर में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आयोजकों ने क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं सभी नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पवित्र और मानवतापूर्ण उपक्रम में सहभागी बने।

वार्ड क्रमांक 5 में हिजरा चौक की राष्ट्रवादी पार्टी की कार्नर सभा के जनसभा को देखकर विरोधियों की बढ़ी चिंता

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा चुनाव के तहत प्रभाग क्रमांक 5 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) के उम्मीदवारों की प्रचार मुहिम को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इसी कड़ी में हिजरा चौक पर आयोजित कार्नर सभा में स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरे इलाके में चुनावी माहौल गरमा गया। सभा में वार्ड क्रमांक 5(अ) से अंसारी जरीना रफीउजमा, 5(ब) से अख्तरनिशा सलीम कुरेशी, 5(क) से मोमिन राशिदा शाद तथा 5(ड) से बहाउद्दीन नोमान शाद ने संयुक्त रूप से जनता से संवाद साधा। इन सभी प्रत्याशियों का यह पैनल भिवंडी मनपा में तीन बार वार्ड का प्रतिनिधित्व कर चुके वरिष्ठ नेता सलीम कुरेशी के मार्गदर्शन में चुनावी मैदान में उतरा है। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वार्ड क्रमांक 5 में बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छता, सड़क, पानी और विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। जनता ने भी प्रत्याशियों के विकास एजेंडे पर भरोसा जताते हुए जोरदार समर्थन दिया। सभा के दौरान ह्यराष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व सलीम कुरेशी जिंदाबादह्व के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अनुभवी नेतृत्व और मजबूत पैनल के चलते राकांपा (अजीत पवार गुट) के उम्मीदवारों को इस बार वार्ड में स्पष्ट बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। लगातार मिल रहे सकारात्मक प्रतिसाद से विरोधी खेमों में भी हलचल देखी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यदि यही जनसमर्थन बना रहा तो प्रभाग क्रमांक 5 में राकांपा (अजीत पवार गुट) का पैनल जीत की ओर मजबूती से अग्रसर माना जा रहा है।

डॉक्टर 365 और डीआरवीए द्वारा 18 जनवरी को होगा 5वें बॉलीवुड महा आरोग्य शिविर का आयोजन

मुम्बई। डॉक्टर 365 और डीआरवीए चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा 5वें बॉलीवुड महा आरोग्य शिविर 2026 का आयोजन चित्रकूट ग्राउंड अंधेरी पश्चिम, मुंबई में 18 जनवरी 2026 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा जहां प्रसिद्ध एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के साथ एक्टर तुषार कपूर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे. इस संदर्भ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरेश मल्होत्रा (चेयरमैन प्राईम फोकस), डॉ मनीष मोटवानी, एक्टर दीपक पराशर, इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (इम्पा) के अध्यक्ष अभय सिन्हा, फैशन डिजाइनर अर्चना कोचर, एक्शन डायरेक्टर टीनू वर्मा, संदीप सोपारकर, बी एन तिवारी, दिलीप सेन, हरीश चोकसी, भोजपुरी अभिनेत्री संगीता तिवारी, महेंद्र पोद्दार (चित्रकूट ग्राउंड) जैसे दिग्गज लोग उपस्थित थे. 5वें बॉलीवुड महा आरोग्य शिविर में लोगों को जनरल हेल्थ चेकअप, व्हीलचेयर वितरण, आंखों की जांच और चश्मे का वितरण, ब्लड चेकअप, डेंटल, ई एंड टी, जनरल सर्जरी, गायनेकोलॉजिस्ट, यूरोलॉजिस्ट, डमेटॉलाजी, कैंसर जांच, बच्चों के हेल्थ चेकअप, एक्स-रे, इटऊ इटक मैमोग्राफी, दवाएं, 5 लाख का हेल्थ कार्ड की सुविधाएं प्राप्त होगी. मुंबई के प्रीमियम अस्पतालों के डॉक्टरों और पैरामेडिकल टीम द्वारा इस शिविर को सहयोग मिल रहा है.

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर व दीप कैम्पस द्वारा बाल विकास कार्यक्रम आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। प्रारंभिक बाल्यावस्था में बच्चों के समग्र विकास को लेकर शिक्षकों को जागरूक करने के उद्देश्य से दीप कैम्पस, बोईसर व रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर के संयुक्त तत्वावधान में रोटरी क्लब अध्यक्ष राम नारायण गोयल के मार्गदर्शन में एक दिवसीय बाल विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से प्री-स्कूल एवं प्रारंभिक कक्षाओं में अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों को बच्चों की भावनात्मक, मानसिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं को समझने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित व सरस्वती वंदना के साथ की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व वक्ता के तौर पर डॉ. कीर्ति टंडेल उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यशाला में सारगर्भित संबोधन करते हुए प्रारंभिक बाल्यावस्था में बच्चों के समग्र विकास के बारे में वस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान प्रो. संध्या शाहापुरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसे बाल विकास कार्यक्रमों की अत्यंत आवश्यकता है, जिससे शिक्षक बच्चों की भावनात्मक एवं मानसिक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकें और उन्हें सकारात्मक वातावरण प्रदान कर सकें। दीप ग्लोबल स्कूल (डी.जी.एस.) की प्राचार्या वृंदा कुलकर्णी ने प्रारंभिक बाल्यावस्था के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यही वह समय होता है, जब बच्चों में आत्मविश्वास, व्यवहार, संवाद क्षमता और सीखने की मजबूत नींव रखी जाती है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों के भावनात्मक विकास पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। वहीं डॉ. दीपा संखे ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा क्षेत्र में 20 वर्षों की गौरवशाली परंपरा के साथ दीप कैम्पस क्षेत्र के सभी छोटे प्ले-ग्रुप्स एवं प्री-स्कूल्स के साथ मिलकर शिक्षकों को सशक्त बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि दीप कैम्पस हर वर्ष इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। इस कार्यशाला में लगभग 22 विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण सहित कुल 165 से अधिक शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए दीप कैम्पस की चेयरपर्सन डॉ. दीपा संखे का विशेष आभार व्यक्त किया गया। उनके सतत सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा से यह कार्यक्रम अत्यंत प्रभावी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ। कार्यशाला को सफल बनाने में रोटरी क्लब की को-ऑर्डिनेटर रो. स्मिता जाधव एवं को-ऑर्डिनेटर गायत्री का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों में प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट विनायक पदमवार, रमेश मित्तल, डॉ. प्रवीण वैश्य, रो. संध्या शाहापुरे, रो. रेखेश जैन, रो. रत्ना सिंह, रो. स्मिता जाधव, रो. भाविका पाटील, अर्चना वैश्य प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की समुचित व्यवस्था की गई थी। अंत में डॉ. प्रवीण वैश्य ने समापन भाषण में सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का समापन किया।

कार्यक्रम का समापन बाल विकास के लिए निरंतर प्रयास करने के संकल्प और सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

किया ने मुंबई में ग्राहकों के लिए ऑल-न्यू सेल्टोस का प्रदर्शन किया

मुंबई। देश की अग्रणी मास-प्रीमियम कार निर्माता कंपनी किया इंडिया मुंबई के फेनिक्स पैलेडियम में अपनी बड़ी, दमदार और प्रगतिशील ऑल-न्यू सेल्टोस का प्रदर्शन कर रहा है, जिससे ग्राहक अपनी पसंदीदा एसयूवी को नजदीक से अनुभव कर सकेंगे। 10.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरूआती कीमत पर लॉन्च की गई नई सेल्टोस भारत के मिड-एसयूवी सेगमेंट में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है। नई किया सेल्टोस अपनी शानदार रोड प्रेजेंस के साथ मिड-एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत पहचान बनाती है। 4,460 मिमी लंबाई और 1,830 मिमी चौड़ाई के साथ यह सेगमेंट की सबसे बड़ी एसयूवी में से एक है। इसके आकर्षक एक्सटीरियर में डिजिटल टाइगर फेस ग्रिल, आइस क्यूब एलईडी हेडलैम्प्स, स्टार मैप डीआरएल, 18-इंच अलॉय व्हील्स और सेगमेंट-फर्स्ट ऑटोमैटिक स्ट्रीमलाइन डोर हैंडल्स शामिल हैं, जो इसे एक दमदार और प्रीमियम लुक प्रदान करते हैं।

केबिन के अंदर नई सेल्टोस प्रीमियम और टेक-फॉरवर्ड अनुभव देती है। इसमें 30-इंच ट्रिनिटी पैनोरमिक डिस्प्ले, बोस का 8-स्पीकर ऑडियो सिस्टम, डुअल-पेन पैनोरमिक सनरूफ, रिलैक्सेशन फंक्शन के साथ वेंटिलेटेड पावर फ्रंट सीट्स और 64-कलर एम्बिएंट लाइटिंग दी गई है, जो हर सफर को आरामदायक और लग्जरी बनाती है।

सुरक्षा के मामले में नई किया सेल्टोस किसी तरह का समझौता नहीं करती। ग्लोबल K3 प्लेटफॉर्म पर आधारित इस एसयूवी में 24 स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें 6 एयरबैग और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल शामिल हैं।

वार्ड क्रमांक 22 अ से तेजतर्रार निर्दलीय प्रत्याशी सुप्रिया चौधरी को डोर-टू-डोर प्रचार में मिल रहा जबरदस्त जनसमर्थन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के आगामी चुनाव 15 जनवरी को होने जा रहे हैं। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी भी तेज होती जा रही है। इसी बीच वार्ड क्रमांक 22 अ से निर्दलीय प्रत्याशी सुप्रिया चौधरी (भोसले) की ओर से किए जा रहे डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान को मतदाताओं का जबरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है, जिससे अन्य उम्मीदवारों में बेचैनी साफ दिखाई दे रही है। सुप्रिया चौधरी घर-घर जाकर नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद कर रही हैं, उनकी समस्याएँ सुन रही हैं और समाधान का भरोसा दे रही हैं। उनके इस सीधे, सरल और जमीनी प्रचार ने वार्ड के मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक माहौल बना दिया है। कई स्थानों पर नागरिकों ने खुलकर समर्थन व्यक्त किया, तो कहीं महिलाओं और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। शिक्षा और संघर्ष का अनोखा संगम बताया जाता है कि सुप्रिया चौधरी ने अंग्रेजी माध्यम से ग्रेजुएशन, इसके बाद एलएलबी की पढ़ाई पूरी की है। इतना ही नहीं, उन्होंने भारतीय इतिहास में स्नातकोत्तर (एम.ए.) की डिग्री भी हासिल की है। उच्च शिक्षा के साथ-साथ उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है। सुप्रिया चौधरी का बचपन झोपड़पट्टी क्षेत्र में बीता, जिससे वे आम नागरिकों, गरीब तबके और मध्यम वर्ग की समस्याओं को बेहद नजदीक से जानती और समझती हैं। पानी, सड़क, नाली, बिजली, स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी से उन्होंने स्वयं जूझते हुए जीवन देखा है। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देने का संकल्प चुनावी मैदान में उतरने का उनका मुख्य उद्देश्य वार्ड के नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएँ दिलाना है। वे बार-बार यह कहती नजर आ रही हैं कि नेतृत्व वही सार्थक होता है जो जनता के बीच रहकर उनकी पीड़ा को समझे। उनका मानना है कि वर्षों से उपेक्षित रहे वार्ड 22 अ को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की मांग है। यही वजह है कि जनता उन्हें एक पढ़ी-लिखी, संघर्षशील और भरोसेमंद विकल्प के रूप में देख रही है। सुप्रिया चौधरी को मिल रहे बढ़ते जनसमर्थन से वार्ड में मुकाबला रोचक हो गया है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि एक निर्दलीय प्रत्याशी होते हुए भी उनका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है, जो स्थापित और पार्टी समर्थित उम्मीदवारों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

उत्तर भारतीयों का खुला समर्थन होने से एमएम यादव के हौसले बुलंद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका चुनाव में प्रत्याशियों द्वारा किए जा रहे प्रचार में शामिल मतदाताओं की संख्या से उनकी ताकत का अंदाजा लग रहा है। वसोर्वा विधानसभा के वार्ड क्रमांक 63 में राष्ट्रवादी अजीत पवार गट से चुनाव लड़ रहे एम एम यादव की पदयात्राओं में स्थानीय जनता का जिस तरह से भारी समर्थन मिल रहा है उसे देखते हुए श्री यादव के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। कल एम एम यादव ने शास्त्री नगर, विकास नगर और वीरा देसाई परिसर में पदयात्रा करके प्रचार किया और लोगों से घड़ी चुनाव चिन्ह पर वोट देने की अपील की। पिछले 40 वर्षों से राजनीति में सक्रिय श्री यादव का जगह-जगह जनता ने स्वागत किया और उनका समर्थन किया। उनकी पदयात्राओं में शामिल मतदाताओं की भारी भीड़ देखते हुए विरोधियों के हौसले पस्त दिखाई दे रहे हैं। शास्त्री नगर विकास नगर इलाके में 90% उत्तर भारतीय मतदाता है यहां पर म यादव के सपोर्ट में सारे उत्तर भारतीयों के एक को जाने से विरोधियों के नींद हराम हो गई है सक्रिय राजनीति में 40 वर्षों तक लगातार काम कर चुके एमएम यादव जनता के बीच काफी लोकप्रिय चेहरा माने जाते हैं। इस वार्ड में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग भी रहते हैं, जिनका उन्हें खुला समर्थन मिल रहा है। श्री यादव ने भरोसा दिलाया है कि वे सेवा भावना के साथ लगातार काम करते रहेंगे।

भगवान के नामस्मरण में जागृत रहो : विलास महाराज सनस

घाटकोपर में हरिनाम सप्ताह समारोह में प्रबोधन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। संसार के माया-जाल में मनुष्य इतना उलझ गया है कि उसे यह भी समझ नहीं रहता कि कहाँ जागना है और कहाँ सोना है। मनुष्य संसार में तो जागता रहता है, लेकिन भगवान के नामस्मरण में सो जाता है। ऐसे सोए हुए मनुष्य को जगाने के लिए ही संतों ने अपने अभंगों के माध्यम से समाज का प्रबोधन किया है, ऐसा स्पष्ट मत कीर्तनकार विलास महाराज सनस ने व्यक्त किया। घाटकोपर पश्चिम स्थित तरुण विकास मंडल परिसर में श्री विठ्ठल रखुमाई आदर्श वारकरी संप्रदाय मंडल की ओर से आयोजित हरिनाम सप्ताह समारोह में शुक्रवार (9 जनवरी 2026) को हुए कीर्तन के दौरान वे बोल रहे थे। संत नामदेव महाराज के उठा जागे व्हारे आता, स्मरण करा पंढरीनाथा भावे चरणी ठेवा माथा, चुकवी व्यथा जन्माच्या इस अभंग का उल्लेख करते हुए विलास महाराज सनस ने संसार और परमार्थ के बीच के वास्तविक सार को उपस्थित श्रद्धालुओं के सामने स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि संसार के पीछे अंधाधुंध भागते हुए मनुष्य संत साहित्य को भूलता जा रहा है, जिसके कारण सामान्य जीव की आध्यात्मिक अधोगति हो रही है। इस कीर्तन समारोह में मृदंग पर बारकेश गोगावले और संदेश मोरे ने संगत की, जबकि गायन में सतीश महाराज कळंबे और संजय गोगावले ने प्रभावशाली साथ दिया।

उल्लेखनीय है कि 8 जनवरी से 15 जनवरी 2026 के दौरान श्री संत शिरोमणि निवृत्तीनाथ महाराज की यात्रा के उपलक्ष्य में इस हरिनाम सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया है। यह समारोह गुरुवर्य मोतीराम महाराज उतेकर एवं तपोनिधि गणेशनाथ महाराज के आशीर्वाद तथा गुरुवर्य अरविंदनाथ महाराज के मार्गदर्शन में तरुण विकास मंडल, घाटकोपर पश्चिम में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ जारी है।

नारी सम्मान संस्था ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले प्रत्याशी का किया कड़ा विरोध

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस पार्टी ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव में वसोर्वा विधानसभा स्थित वार्ड क्रमांक 59 से जयेश रामदास शिंदे नामक एक ऐसे व्यक्ति को अपना प्रत्याशी बनाया है, जो लगातार सोशल मीडिया पर महिलाओं और मुस्लिम समाज के खिलाफ अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी लिखता रहा है। परिणाम स्वरुप अब लोग उसके खिलाफ मुखर हो गए हैं। नारी सम्मान की फाउंडर तथा करणी सेना की नेशनल प्रेसिडेंट सुंदरी ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर ही सवालिया निशान उठाते हुए कहा कि नारी सम्मान की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने ऐसे व्यक्ति को टिकट कैसे पकड़ा दिया, जो सोशल मीडिया पर लगातार हिंदू महिलाओं और मुस्लिम समाज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी लिखता रहा है।

उन्होंने कहा कि ऐसी व्यक्ति को टिकट देकर कांग्रेस ने साबित कर दिया कि महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का उसका दावा खोखला है। उन्होंने कहा कि लड़की हूं लड़ सकती हूं, कहनेवाली प्रियंका गांधी और संस्कार की बात कहने वाले मुंबई कांग्रेस के पदाधिकारियों को इसका जवाब देना चाहिए। इस वार्ड से बहुत ही लोकप्रिय रही पूर्व नगरसेविका स्वर्गीय गीता यादव के पुत्र तथा युवा समाजसेवी संतोष वी यादव ने पूरी तैयारी की थी। वे जनता के बीच बहुत लोकप्रिय हैं।

हमेशा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से वार्ड में सक्रिय भूमिका निभाने के बावजूद कांग्रेस पार्टी द्वारा उनका टिकट काटकर महिला और मुस्लिम विरोधी व्यक्ति को टिकट देना पार्टी को भारी पड़ता नजर आ रहा है।

अक्षत खेतान ने मुंबई के विकास से जुड़े प्रमुख जनहित मुद्दों पर वरिष्ठ नेताओं से की चर्चा

मुंबई। एयू कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज के संस्थापक अक्षत खेतान ने हाल ही में माननीय उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे जी, माननीय सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे जी, एमपीसीपी के अध्यक्ष श्री सिद्धेश कदम जी तथा शिवसेना की वरिष्ठ नेता एवं प्रवक्ता शाइना एनसी जी के साथ एक सौहार्दपूर्ण बैठक की। यह बैठक मुंबई के समग्र विकास और सतत प्रगति से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण जनहित मुद्दों पर सार्थक संवाद का एक प्रभावी मंच बनी। चर्चा में भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई के लिए नागरिक-केंद्रित शासन, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शहरी सुदृढ़ता के प्रति साझा प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

बैठक के दौरान बुनियादी ढांचे की बाधाएँ, यातायात जाम, सड़क सुरक्षा, शहरी जलभराव, किफायती आवास तथा पुनर्विकास परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन की आवश्यकता जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने, कचरा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करने और नागरिक प्रशासन में जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही छोटे और मध्यम उद्योगों को समर्थन देने, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रोत्साहित करने तथा मुंबई के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। अक्षत खेतान ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी, कानूनी सुधारों और पारदर्शी नियामक तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे जनहित की रक्षा करते हुए विकास को गति दी जा सके।

डॉ. श्रीकांत शिंदे जी ने आश्वस्त किया कि केंद्र और राज्य सरकारें मुंबई की बुनियादी ढांचागत एवं नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए समन्वित योजना और समयबद्ध क्रियान्वयन के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दोहराया कि स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, शहरी सुदृढ़ता और परिवहन आधुनिकीकरण से जुड़े मुद्दों की सक्रिय रूप से निगरानी की जा रही है और उन्हें चरणबद्ध तरीके से सुलझाया जा रहा है।

शाइना एनसी जी ने भी इन आश्वासनों को दोहराते हुए नागरिकों की चिंताओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और समावेशी विकास, महिला सुरक्षा तथा पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति उसकी सक्रिय पहल को रेखांकित किया।

दोनों नेताओं ने यह पुनः स्पष्ट किया कि मुंबई का कायाकल्प सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है और सार्थक संवाद के बाद ठोस कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। बैठक का समापन एक सकारात्मक वातावरण में हुआ, जिसमें एक सुरक्षित, स्मार्ट और समृद्ध मुंबई के निर्माण हेतु सामूहिक सहयोग और संकल्प को दोहराया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदमः प्रभारी मंत्री

- ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका को नई मजबूती देगा विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम
- रोजगार गारंटी 100 से बढ़कर 125 दिन, होगा समयबद्ध व पारदर्शी मजदूरी भुगतान
- ग्राम सभा की सहभागिता से तय होंगी विकास योजनाएं, गांवों का होगा संतुलित विकास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ए० के० शर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) जी राम जी योजना (गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) अधिनियम के संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

प्रभारी मंत्री ने इस नए अधिनियम को ग्रामीण भारत के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण श्रमिकों, किसानों एवं मेहनतकश वर्ग के जीवन में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन आएगा। यह अधिनियम ग्रामीण समाज को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

प्रेस वार्ता के दौरान प्रभारी मंत्री ने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। यह निर्णय ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करने, ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन को रोकने तथा स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करने में अत्यंत सहायक होगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार की ग्रामीण समाज के प्रति संवेदनशीलता और मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता बेरोजगारी भत्ता को एक वास्तविक और प्रभावी कानूनी अधिकार बनाना है। पूर्ववर्ती मनरेगा अधिनियम में अनेक शर्तों के कारण बेरोजगारी भत्ता मिल पाना कठिन था, जबकि नए अधिनियम में अनावश्यक प्रतिबंधों को समाप्त कर दिया गया है। अब यदि श्रमिक द्वारा कार्य की मांग के बावजूद समय से रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो बेरोजगारी भत्ता स्वतः देय होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि मजदूरी भुगतान की व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया गया है। यदि किसी कारणवश मजदूरी भुगतान में देरी होती है, तो प्रत्येक विलंबित दिन का मुआवजा मजदूरी के साथ श्रमिक को दिया जाएगा। इससे श्रमिकों के शोषण पर प्रभावी रोक लगेगी और उन्हें उनके श्रम का पूरा लाभ समय पर मिलेगा। कृषि (बुआई और कटाई) के समय में वर्ष में अधिकतम 60 दिवसों हेतु कार्य बन्द रखे जाने का प्रावधान किया गया है, जिससे कृषि कार्य निर्वाध रुप से संचालित हो सके और श्रमिकों की उपलब्धता कम न हो।

उन्होंने कहा कि अधिनियम के अंतर्गत विकास कार्यों की योजना अब ग्राम स्तर पर ही तय की जाएगी। ग्राम सभा के माध्यम से ग्राम पंचायत द्वारा विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार की जाएगी, जिसमें ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य होगी। इससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन होगा और गांवों का समग्र एवं संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा।

अंत में मंत्री ने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और सामाजिक-आर्थिक मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

इस अवसर पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिन्सू, विधायक मड़ियाहूँ डा0 आर0के0 पटेल, जिलाध्यक्ष द्वय अजीत प्रजापति, डा0 अजय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, अजय शंकर दुबे, अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया अन्य अधिकारीगण सहित मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नगर विकास मंत्री ने गरीबों, असहायों को बांटे कम्बल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश एवं जनपद के प्रभारी मंत्री एके शर्मा द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी, विधायक शाहगंज रमेश सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिन्सू, विधायक मड़ियाहूँ डा0 आर0के0 पटेल, जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, डा0 अजय सिंह सहित अन्य की उपस्थिति में शीतलहर, ठण्ड, पाला के दृष्टिगत निराश्रित, असहाय, कमजोर गरीब व्यक्तियों/परिवारों को राहत पहुचाने हेतु कंबल वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि ठण्ड की वजह से किसी भी गरीब, असहाय व्यक्ति या परिवार को कोई समस्या न हो, इसके लिए शासन द्वारा जिला प्रशासन को समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये है जिसके क्रम में आज यह कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है तथा असहाय परिवारों को कम्बल वितरित किया जा रहा है। इसके साथ ही जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरा अलाव की व्यवस्था भी की गयी है।

फर्जी ऑनलाइन फर्म बनाकर करोड़ों की ठगी करने वाला साइबर ठग गिरफ्तार

प्रतिबिम्ब पोर्टल से ट्रेस हुआ आरोपी, 100 से अधिक लोगों को बनाया था शिकार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतिबिम्ब पोर्टल की मदद से साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े ऑनलाइन ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए फर्जी ऑनलाइन फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अब तक देश के विभिन्न राज्यों के 100 से अधिक लोगों को ठगी का शिकार बनाया था। उसके खातों में वर्ष 2021 से अब तक एक करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेनदेन सामने आए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव सहायक पुलिस अधीक्षक /क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता एवं क्षेत्राधिकारी साइबर देवेश सिंह के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली विश्वनाथ प्रताप सिंह तथा साइबर थाना प्रभारी महेश पाल सिंह व राजेश यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

इनवॉइस और कुरियर की फर्जी रसीद से देता था भरोसा: पुलिस के अनुसार अभियुक्त प्रियम श्रीवास्तव उर्फ हनी ने राजीत नाम से फर्जी ऑनलाइन फर्म बनाकर ग्राहकों से ऑर्डर लिया। भुगतान प्राप्त करने के बाद वह इनवॉइस मेकर ऐप से फर्जी बिल, पिक्सआर्ट ऐप से डीटीडीसी कुरियर की फर्जी बिल्टी तैयार कर व्हाट्सएप पर भेज देता था, लेकिन माल कभी डिलीवर नहीं करता था।

इंडिया मार्ट और एक्सपोर्टर इंडिया से तलाशता था शिकार: आरोपी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे इंडिया मार्ट और एक्सपोर्टर इंडिया के जरिए नए ग्राहकों की तलाश करता था। इसके अलावा गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए भी पैसे मंगवाकर उन्हें अपने और परिजनों के बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लेता था।

चार साल में एक करोड़ से अधिक का फर्जी लेन-देन: साइबर पुलिस द्वारा बैंक खातों की जांच में सामने आया कि वर्ष 2021 से अब तक आरोपी के खातों में एक करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध लेन-देन हुआ है। साइबर पुलिस पोर्टल पर जांच के दौरान अभियुक्त के मोबाइल नंबर और बैंक खातों से जुड़े देश के विभिन्न राज्यों से कुल 21 एनसीआरपी शिकायतें दर्ज पाई गईं।

पहले से दर्ज हैं कई गंभीर मुकदमे: आरोपी के खिलाफ प्रयागराज, वाराणसी और जौनपुर जनपद में धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मुकदमे दर्ज हैं। वर्तमान मामले में उसे मु.अ.सं. 08/26 धारा 406/419/420/467/468/471 भादवि के तहत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेज दिया गया है।

वैश्विक स्तर पर फहर रही हिन्दी की दुंदुभी पताकाः डा.यदुवंशी

विश्व हिन्दी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में साहित्यकार सभाजीत 'नागरी सम्मान' से सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की संस्कृति, सभ्यता और पहचान में अहम योगदान निभाने वाली हिन्दी सिर्फ भाषा नहीं, बल्कि हमें अपनी भाषा की जड़ों से जोड़ने और इसके गौरव को संजोने का अवसर भी देती है। 10 जनवरी महज एक तारीख नहीं, बल्कि वह ऐतिहासिक दिन है जब हिंदी ने भारत की सीमाओं को लांघकर पूरी दुनिया में अलग पहचान बनाई थी। उक्त विचार नागरी लिपि परिषद वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर इकाई के अध्यक्ष डॉ ब्रजेश कुमार यदुवंशी ने सिविल लाइंस स्थित एक होटल पवन प्लाजा में आयोजित विश्व हिंदी दिवस पर व्यक्त किया। इस दौरान प्रख्यात साहित्यकार सभाजीत द्विवेदी प्रखर को नागरी सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में अपने सम्बोधन में श्री प्रखर ने कहा कि 10 जनवरी 1975 के दिन भारत के नागपुर शहर में प्रथम 'विश्व हिंदी सम्मेलन' का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन का मकसद हिन्दी को दुनिया भर में पहचान दिलाना था, इसलिये हर साल 10 जनवरी को 'विश्व हिंदी दिवस' मनाया जाता है। भारतीय मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष फूलचन्द भारती ने कहा कि दुनिया भर में हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता फैलाने के लिये यह दिन हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। पूर्व अध्यक्ष दीवानी अधिवक्ता संघ जितेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि इसे मनाये जाने का मूल उद्देश्य वैश्विक स्तर पर हिन्दी को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर शैलेन्द्र सिंह, अमर शिवांशु सिंह, अनिल केसरी, राहुल, उद्योगपति किशन सिंह, अनुज यादव, रिंकेश राव, विनीत सिंह, सत्यम मौर्य, ऋषभ पाठक, ओम प्रकाश पाठक, रोहित यादव, सचिन यादव, नीलेश यादव, रंगनाथ द्विवेदी, शिवम सिंह, विशाल मौर्य, मेजर जमालुद्दीन, आशुतोष सिंह, नीरज सिंह, प्रणविजय सिंह, डॉ. अवधेश यादव, डॉ. अरविन्द यादव, रवि श्रीवास्तव सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

पतंग लूटने के चक्कर में दौड़ते समय रेलवे ट्रैक पर गिरा बालक, हाथ टूटा

ट्रेन आने से पहले गेटमैन व ग्रामीणों की सूझबूझ से बची जान

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के जंघई रेलवे फाटक के पास गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे एक दर्दनाक हादसा होते-होते टल गया। पतंग लूटने के प्रयास में 10 वर्षीय बालक रेलवे ट्रैक पर गिर पड़ा, जिससे उसका हाथ टूट गया। सौभाग्यवश, ट्रेन के पहुंचने से पहले ही गेटमैन और स्थानीय लोगों की तत्परता से उसकी जान बचा ली गई।

जानकारी के अनुसार, चंदू (10 वर्ष) पुत्र जुगडू कटी हुई पतंग पकड़ने के लिए रेलवे लाइन के पास गया था। इसी दौरान दौड़ते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे रेलवे पटरी पर गिर पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उसी समय उसी ट्रैक पर हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस ट्रेन आ रही थी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए जंघई रेलवे फाटक के गेटमैन तथा आसपास मौजूद लोगों ने बिना समय गंवाए दौड़कर बच्चे को ट्रैक से बाहर खींच लिया। कुछ ही क्षणों बाद ट्रेन वहां से गुजर गई। हादसे में बच्चे के हाथ की हड्डी टूट गई, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से रेलवे लाइन के आसपास बच्चों के जाने पर रोक लगाने, जागरूकता अभियान चलाने तथा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है।

गुस्सा होकर घर से गये तीन बालकों को उनके एक अन्य साथी के साथ पुलिस ने किया बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी गुस्सा होकर घर से गये 03 बालकों

को उनके 01 अन्य साथी के साथ पुलिस ने बरामद कर लिया। जानकारी के अनुसार दिनांक 09.01.2026 को हवलदार गौतम पुत्र स्व0 रामचरन गौतम निवासी ग्राम पाली थाना बरसठी जौनपुर द्वारा थाना स्थानीय पर आकर सूचना दी गयी कि दिनाँक 09.01.2026 को 18.30 बजे वादी का पोता रामकिसन गौतम उम्र करीब 13 वर्ष व उसके साथी आनन्द गौतम उम्र करीब 14 वर्ष तथा छोटू उम्र करीब 14 वर्ष का बिना बताये घर से कहीं चले के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर तहरीर दाखिल किये, जिसके आधार पर मु0अ0सं0 0004/2026,धारा-137(2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। पूछताछ का विवरणःबरादमशुदा बालकों द्वारा बताया गया कि हम लोग घर पर लगे पतरे पर चढ़कर खेल रहे थे। तो घरवालों ने हम लोगों को डाँटा तो हम लोग गुस्सा होकर घर से ट्रेन पकड़कर जौनपुर चले गये थे। फिर वापस ट्रेन से बरसठी स्टेशन पर आये तो पुलिस ने हम लोगों को थाना ले आयी है। हम लोगों को किसी ने भगाया नहीं था, हम लोग अपने मर्जी से चले गये थे।

किसान भाइयों को मिलेगी निःशुल्क उर्द/मूँग मिनीकिट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उप कृषि निदेशक डा० वी०बी० द्विवेदी ने जनपद के किसान भाइयों को अवगत कराया है कि कृषि विभाग द्वारा जनपद जौनपुर में संचालित राज्य सहायतित निःशुल्क दलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम जायद-2026 के अन्तर्गत उर्द के 80 एवं मूँग 80 बीज मिनीकिट निःशुल्क दिये जाने का लक्ष्य जनपद को प्राप्त हुआ है। उक्त के क्रम में शासन के निदेर्शानुसार उर्द एवं मूंग बीज मिनीकिट की बुकिंग हेतु कृषकों के लिए विभागीय पोर्टल दर्शन 2.0 यू०आर०एल०- https://agridarshan.up.gov.in दिनांक 08.01.2026 से 15.01.2026 तक खुला रहेगा। निःशुल्क बीज मिनीकिट प्राप्त करने हेतु इच्छुक कृषक उक्त पोर्टल के माध्यम से टोकन की विकासखण्डवार बुकिंग कर लाभ प्राप्त कर सकते है।

रोहनिया विधायक ने बुजुर्गों को वितरण किया कंबल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब में शीतलहर व कड़ाके की ठंड से राहत पाने हेतु रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने शुक्रवार को रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के बहोरनपुर गांव में अपना दल एस के सक्रिय सदस्य राम सकल मास्टर के आवास पर गांव के सैकड़ो जरूरतमंद बुजुर्गों को राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त कंबल वितरण किया। कंबल पाते ही लोगों के चेहरा खिल उठे। इस दौरान नायब तहसीलदार संग्राम सिंह, जयप्रकाश पटेल उर्फ जेपी, अखिलेश पटेल, ओम प्रकाश सिंह, लेखपाल राजेश्वर सिंह, श्याम बली पटेल, विनोद पटेल, गोविंद पटेल, राजकुमार वर्मा, राम सकल पटेल इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

जेसीआई संस्कार का 10वां शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

बतौर अध्यक्ष रविशंकर चतुवेर्दी ने ली पद और गोपनीयता की शपथ, अखिलेश पांडेय को मिली सचिव की जिम्मेदारी

चंदन जायसवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। व्यक्तित्व विकास की अंतर्राष्ट्रीय संस्था जूनियर चैंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) की शाखा शाहगंज संस्कार द्वारा स्वामी विवेकानंद तिराहा स्थित शाहगंज पैलेस होटल में दसवें शपथ ग्रहण एवं पुरस्कार वितरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों का सम्मान किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि मण्डल अध्यक्ष गौरव सेठ, विशिष्ट अतिथि पूर्व मण्डल अध्यक्ष वसुंधरा सिंह, रुपेश जायसवाल, मुख्य वक्ता के रुप में पूर्व मण्डल अध्यक्ष अभिनव चौरसिया एडवोकेट आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वर्तमान अध्यक्ष विनायक गुप्ता ने वर्ष 2026 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष रविशंकर चतुवेर्दी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके उपरांत नए अध्यक्ष ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ अधिकारी के रुप में पूर्व मण्डल उपाध्यक्ष शिवम सिंह ने आठ नए सदस्यों को शपथ दिलाकर शामिल किया।

अपने संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष रविशंकर चतुवेर्दी ने कहा कि जेसीआई संस्कार के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व विकास,

सामाजिक जागरुकता, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने टीम भावना के साथ संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त किया।वर्तमान अध्यक्ष विनायक गुप्ता ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि नई टीम संगठन की गरिमा और प्रतिष्ठा को और मजबूत करेगी। अवार्ड नाइट के दौरान वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया, जिससे उपस्थित सदस्यों में उत्साह और प्रेरणा का वातावरण देखने को मिला।कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष एखलाक खान, पंकज सिंह व हसन मेंहदी ने संयुक्त रूप से किया। अंत में सचिव अखिलेश पांडेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आयोजन में संस्थापक अध्यक्ष गुलाम साबिर, पूर्व अध्यक्ष सीए बिजेंद्र अग्रहरि, नगर पालिका परिषद की पूर्व चेयरमैन गीता जायसवाल, भाजपा नेता प्रदीप जायसवाल, लायंस क्लब के जॉन अधिकारी मनीष अग्रहरि, अध्यक्ष अरुण पांडेय, मनोज जायसवाल, रविकांत जायसवाल, जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल, रामलीला समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप जायसवाल, राजीव सिंह सहित सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कम्युनिकेशन, निगोशिएशन और सॉफ्ट स्किल्स से मिलती है कॉर्पोरेट में सफलताः प्रो.आशीष सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा ₹बिजनेस कम्युनिकेशन स्किल्स फॉर मैनेजेरियल इफेक्टिवनेस₹ विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यानमाला का शनिवार को आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबंधन संकाय, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, मीरजापुर से प्रो. आशीष सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश द्वारा मुख्य वक्ता के औपचारिक परिचय से हुई।

व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. आशीष सिंह ने प्रभावी संप्रेषण, निर्णय-निर्माण, नेतृत्व तथा समस्या-समाधान कौशल के महत्व को व्यावहारिक उदाहरणों से स्पष्ट करते हुए विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्पष्ट, उद्देश्यपूर्ण और नैतिक संप्रेषण से संगठनात्मक कार्यकुशलता बढ़ती है तथा प्रबंधकीय विश्वसनीयता मजबूत होती है। कॉर्पोरेट जगत से जुड़ी छात्रों की जिज्ञासाओं का भी उन्होंने उदाहरणों सहित समाधान दिया।

विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया और संप्रेषण कौशल के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के प्रबंधकों के लिए एआई-सक्षम संप्रेषण और डिजिटल दक्षता अनिवार्य हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रसिकेश ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक अनुपम कुमार, दीपक सैनी, शची सिंह, दिव्यांशु सिंह, अनुराग गुप्ता, पीयूष सिंह, जान्हवी राय, साधना मौर्य, राज सैनी सहित विभिन्न शोध छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, गांव में शोक की लहर

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के कौड़िया गांव में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई, जहां मानसिक रूप से अस्वस्थ बताए जा रहे युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अरविंद यादव (40 वर्ष) पुत्र रामचेत यादव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अरविंद यादव काफी समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची शाहगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, फिलहाल प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है।

CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा0 मोहम्मद अकमल (फिजिशियन) पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ0 सुनील कुमार दुबे MBBS, MS (Laproscopic Surgeon) on call)
डॉ0 अबू फैसल MBBS, Ortho PGDS हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक (बृहस्पतिवार)
डॉ0 एम के वर्मा P.G D.C (Delhi) (चर्म रोग विशेषज्ञ) समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान MBBS, DNB, MD (Lucknow) शूगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह (दाँत चिकित्सक) समय - सुबह 9 से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ0 यसीरा अली MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon) स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility) समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक (मंगलवार)
डॉ0 सना अब्दुल्लाह (स्त्री रोग विशेषज्ञ) समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (बुद्धवार, रविवार)
डॉ. मोहम्मद अंज़र एम.बी.बी.एस. जरनल फिजिशियन
डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिस्क, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर | 9451610571, 7380850571

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। आयोग के निर्देशानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में एन्यूमरेशन फॉर्म में प्राप्त कराए गए पुरानी फोटोग्राफ, ब्लर फोटोग्राफ की स्थिति में निर्वाचकों के फोटोग्राफ अपडेट किए जाएंगे। 11 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक बीएलओ द्वारा अपने से संबंधित बूथ पर उपस्थित होकर आलेख्य निर्वाचक नामावली को पढ़कर सुनाया जाएगा और नाम का सत्यापन किया जाएगा। यदि किसी निर्वाचक का नाम वर्ष 2025 की निर्वाचक नामावली में था और उनके द्वारा गणना प्रपत्र वापस नहीं किए गए हैं, तो ऐसे निर्वाचकों से फॉर्म-6 के साथ घोषणा पत्र भरवाते हुए निर्वाचकों का नाम सम्मिलित करने की कार्यवाही की जाएगी। आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां निर्धारित की गई है ऐसे युवा मतदाता जो 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हो और जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है वह घोषणा पत्र के साथ फॉर्म-6 भर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपेक्षा की कि अधिक से अधिक संख्या में युवाओं के फॉर्म-6 भरवाने हेतु बीएलए-2 को निर्देशित करे। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा चार अर्हक तिथियां निर्धारित की गई हैं। अतः दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि के दौरान यदि कोई मतदाता 01 जनवरी को अर्हता तिथि के अतिरिक्त 01 अप्रैल, 01 जुलाई, एवं 01 अक्टूबर को अर्ह हो रहे हैं, तो उन सभी अर्ह मतदाताओं से फॉर्म-6 प्राप्त किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन नामावली की किसी प्रविष्टि में संशोधन करने/मतदाता फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन/दिव्यांग मतदाताओं के चिन्ह्यांकन /निवास परिवर्तन की दशा में फॉर्म 8 एवं घोषणा पत्र भरकर संबंधित बीएलओ /निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराया जा सकता है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या, बीएसपी से चंद्रेज भारती, कांग्रेस पार्टी उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू, अपना दल एस से जयप्रकाश पटेल, सीपीआईएम से के एस रघुवंशी, आप से सुभाष चंद्र गौतम, कांग्रेस पार्टी से अली अंसारी, भाजपा से स्कंद कुमार पटेल, विजय कुमार पटेल, पियूष कुमार, सपा से हीरालाल विश्वकर्मा उपजिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवा से सजी सर्द रातें, ए.के.एम.डी. ने थामा जरूरतमंदों का हाथ

200 से अधिक दिव्यांग, वृद्ध व विधवाओं को दिया कंबल, कालेज के होनहार बच्चे भी हुए सम्मानित

-सुरेश गांधी

वाराणसी। भुलना देवी बेचन वर्मा जन सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित ए.के.एम.डी. स्पेशल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अटेसुआ-मुरदहाबाजार, वाराणसी के तत्वावधान में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम न केवल राहत का माध्यम बना, बल्कि समाजसेवा को स्वावलंबन से जोड़ने की मिसाल भी पेश करता नजर आया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक दिव्यांगजनों, विधवाओं और बुजुर्गों को कंबल वितरित किए गए। ठंड के इस मौसम में मिली यह राहत उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके बाद कंबल वितरण के साथ-साथ शिक्षा और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने की दिशा में मेधावी विद्यार्थियों को रेंजर साइकिल, टेबल फैन और ऑटो प्रेस प्रदान किए गए, वहीं कुछ बच्चों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

ट्रस्टी अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि ट्रस्ट का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों को कंबल या अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नहीं है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्होंने कहा कि वृद्ध, विधवा और दिव्यांगजनों को समय-समय पर विभिन्न प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं और बीते दो-तीन वर्षों से ट्रस्ट उन्हें रोजगार से भी जोड़ने का प्रयास कर रहा है। उनका कहना था कि ए.के.एम.डी. संस्था बेसहारा और असहाय वृद्धों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरी है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं भाजपा जिला सचिव राणा चौहान तथा अजगरा विधायक टी. राम के प्रतिनिधि सिकंदर राम के हाथों गरीबों और असहायों के बीच कंबल वितरित किए गए। अतिथियों ने ए.के.एम.डी. स्पेशल कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। राणा चौहान ने कहा कि कड़ाके की ठंड में दिव्यांगों और जरूरतमंदों के चेहरे पर कंबल पाकर जो खुशी दिखाई दी, वही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने इसे पुण्य का कार्य बताते हुए कहा कि इससे जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिलेगी। साथ ही ग्रामीणों से अपील की कि ठंड में बिना गर्म कपड़ों के बाहर न निकलें, आवश्यक होने पर सिर ढककर निकलें और सुबह-शाम अलाव का सहारा लें। ट्रस्टी एवं अध्यक्ष अर्चना पटेल ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में कंबल वितरण किया जाता है। इस वर्ष भी दिव्यांगजन, वृद्ध और असहाय महिला-पुरुषों के बीच कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रबुद्धजनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट समाजसेवा और परोपकार के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है और इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना है। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने इस प्रयास को मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम में आयोजनकर्ता मालती देवी वर्मा, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा, अध्यक्ष अर्चना पटेल के साथ ट्रस्ट के सदस्य अमूल्य सिंह पटेल, अपर्णा सिंह पटेल, अमरेश सिंह, गुलाब चंद्र वर्मा उपस्थित रहे। इसके अलावा ब्लाक प्रमुख अमित उपाध्याय, एमजीकेवीपी बच्छाव के प्रोफेसर डॉ. रवि शंकर पटेल, एमजीकेवीपी के प्रोफेसर डॉ. रामजी सिंह यादव, जेपी महिला विद्यालय के डायरेक्टर इंद्रजीत पटेल, एमवीएच इंटर कॉलेज के डायरेक्टर अभिषेक सिंह पटेल, प्रधानाचार्य गणेश प्रसाद, उपप्रधानाचार्य अमित कुमार सिंह, डॉ मनोज कुमार सिंह प्रधानाचार्य माधव प्रसाद भीखा इंटर कालेज, पुष्पांजलि पटेल जिला पंचायत सदस्या भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारी सतीश चंद्र वर्मा, एसबी एजुकेशन के डायरेक्टर आशुतोष आनंद, राजकुमारी बालिका इंटर कॉलेज की कलावती पटेल, आईजीएआर लखनऊ के डॉ. चंद्रशेखर सिंह, अवध नारायण पांडे (दिल्ली), एमपीबीआईसी के प्रधानाचार्य मनोज कुमार सिंह, प्रधान संघ संयोजक जौनपुर गोपाल शर्मा, रामकरण प्रसाद, मनोज शर्मा, चंद्रमणि प्रधान, तिवारी उद्यान, राहुल मडियाहू, बीडीओ गोंडा सुभाष पाठक, जिला दिव्यांग अधिकारी विकास कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह, विजय शंकर सिंह, रमेश पटेल, सुरेश कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, चंद्र सिंह, रामवृक्ष सिंह तथा भेल अधिकारी मुन्नालाल वर्मा, चंद्रमणि प्रधान बच्चेलाल, राधेश्याम भी मौजूद रहे।

बलरामपुरः ग्राम पंचायत करमहना में नए पंचायत भवन का निर्माण प्रारंभ

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। बलरामपुर जनपद के विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत करमहना में जर्जर हो चुके पुराने ग्राम पंचायत भवन को ध्वस्त कर नए पंचायत भवन के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के निर्देश एवं जिलाधिकारी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी के आदेशानुसार की जा रही है। बताया गया कि पुराना ग्राम पंचायत भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में था। भवन पर ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था तथा परिसर में बेसहारा पशुओं का कब्जा बना हुआ था। चारों ओर गहरे गड्ढे होने के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर पंचायत भवन को खाली कराया गया, अतिक्रमण हटाया गया और परिसर में बने गड्ढों को समतल कराया गया। इसके बाद नए पंचायत भवन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई। जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में पुराने भवन की नीलामी की प्रक्रिया भी कराई गई, जिसमें 85,000 की बोली लगी, लेकिन कोई भी व्यक्ति नीलामी लेने को तैयार नहीं हुआ। इसके पश्चात प्रशासन द्वारा 10 जनवरी 2026 को पुराने पंचायत भवन को ध्वस्त कर नए भवन के निर्माण का आदेश जारी किया गया। नए पंचायत भवन के निर्माण से ग्रामीणों को प्रशासनिक कार्यों में सुविधा मिलेगी तथा ग्राम पंचायत की गतिविधियाँ सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगी।

मनुष्य के लिए गुरु शरणागति अनिवार्य है: पूज्य राजन महाराज

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। गोरेगाँव पश्चिम स्थित बांगुर नगर के लक्ष्मी सरस्वती ग्राउंड पर चंद्रकांत गुप्ता एवं चमेली देवी गुप्ता के पावन संकल्प से प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के कृपापात्र पूज्य राजन महाराज के व्यासत्व में रामकथा सेवा समिति मुम्बई द्वारा आयोजित नौ दिवसीय रामकथा महोत्सव में पूज्य राजन महाराज ने अयोध्याकांड के आश्रय में रामकथा गायन करते हुए निवेदित किया कि अयोध्याकांड को तुलसीदास जी ने एकदम व्यवस्थित लिखा है महापुरुषों के अनुसार अयोध्याकांड मनुष्य जीवन की हृदय स्थली है।अयोध्याकांड के प्रारंभ में सर्व प्रथम भगवान शिव की वंदना इसलिए किये कि भगवान शिव अपने परिवार के सदस्यों में व्यवहारिक भिन्नता के बाद भी सदैव शांत और प्रसन्न रहते हैं।तुलसीदास जी द्वितीय वंदना प्रभु राम की करते हैं क्योंकि युवानी काल में जीवन कई झंझावातों से घिरा होता है जैसे भगवान को युवराज पद मिलते मिलते वनवास मिल गया फिर भी ऐसी विषम परिस्थिति में भी भगवान प्रसन्न रहते हैं। अयोध्याकांड मनुष्य को जीवन जीना सिखाता है। जा सकता है।पूज्य राजन महाराज ने भगवान शिव को गुरु मानकर शिवचर्चा करने वालों को पूज्य राजन महाराज ने कहा कि भगवान शिव किसी एक के नही बल्कि त्रैलोक के गुरु हैं, किंतु मनुष्य रूप में इस धरती पर आने वाले हर किसी को गुरु की शरण में जाकर दीक्षालेना अनिवार्य है। शिव के ही रूप में धरती पर आये आदि गुरु शंकराचार्य को भी गुरु शरण में जाना पड़ा था। पूज्य राजन महाराज ने व्यासपीठ से श्रोताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि,बिना दीक्षा के भी नाम जप किया जा सकता है और यही नाम जप आप को सदुरु से स्वयं मिलवा देगा। भगवान राम के वनवास प्रसंग की चर्चा करते हुए पूज्य राजन महाराज ने कहा कि,माता कैकेयी ने राम जी की इच्छा से चक्रवर्ती जी से दो वरदान लेकर संसार में स्वयं के चरित्र को कलंकित कर लिया।संसार में अज्ञानता पूर्वक किया गया प्रेम ही मोह है। केवट प्रेम प्रसंग की चर्चा करते हुए पूज्य राजन महाराज ने कहा कि केवट जी जान गये हैं कि,सारा कमाल रामजी के चरण रज में हैं इसीलिए वे भगवान के चरण रज को पखारना चाहते हैं। केवट जी ने सोचा कि आज तक जो भी आता था वह मुझे नौकर समझ कर आदेश देता था आज रामजी ने निवेदन करके मुझे मालिक बना दिया यह भगवान को छोड़कर कोई और नही कर सकता है। अतः जीवन में जो भी प्राप्त है उसके लिए भगवान को धन्यवाद देना चाहिए। पूज्य राजन महाराज ने कथा प्रसंगों के बीच कहियव दर्शन दिहै हो भिलनियव के राम,किस धुन में बैठा बावरे, जगत में कोई ना परमानेंट,तोहरे गोड़वा के धुरिया से डर लागेला,पाँव अपना प्रभु जी धुला लीजिये, करुणा निधान रउवा, मुझे तूने मालिक बहुत दे दिया है जैसे भावपूर्ण भजनों को सुनाकर श्रोताओं मंत्रमुग्ध कर दिया। यह जानकारी दिनेश सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

वार्ड-5 के विकास के विजन के साथ जारी है डॉ. नरेंद्र कुमार का धुआँधार चुनाव प्रचार

मुंबई, दहिसर। वार्ड-5 के विकास के दमदार विजन और यहां के नागरिकों को हर आवश्यक जन सुविधाएं दिलाने के लिए समर्पित प्रयास करने की ठानकर कॉंग्रेस और सहयोगी दलों के लोकप्रिय प्रत्याशी प्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र कुमार का चुनाव प्रचार और डोर-टू-डोर जनसंपर्क अभियान पूरी रफ्तार से अनवरत जारी है। मतदाताओं का उन्हें जमकर समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। शनिवार को कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. नरेंद्र कुमार ने पंचवटी धाम, सुपर्ण ग्रंन्डनेस,संकेत सोसायटी, सरगम और राज उत्सव सोसायटी सहित शिव वल्लभ क्रास रोड परिसर में धुआँधार प्रचार किया। इसी क्रम में दोपहर बाद डॉ. नरेंद्र कुमार का चुनाव प्रचार और जन सम्पर्क सावरकर नगर से ग्रीन-व्यू कॉम्प्लेक्स, राधे गोविंद टॉवर्स , गोमती, दत्त स्मृति, चंद्रेश दीप होता हुआ दत्त धाम पर समाप्त हुआ। इस दौरान भारी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उनके साथ रहे।

आनापुर में बाइक की टक्कर से मासूम की हुई मौत

सरायख्वाजा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के आनापुर गांव के पास शुक्रवार की शाम मोटरसाइकिल की टक्कर से 6 वर्षीय बालक की देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गई। रात करीब 9 बजे सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आनापुर गांव में शुक्रवार को शशिकला का 6 वर्षीय आयांश अपने घर पास खेल रहा था तभी जमुहाई के तरफ से आ रही मोटरसाइकिल ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही 6 वर्षीय बालक आयांश सड़क पर ही गिर पड़ा। इस बीच ग्रामीणों ने आरोपी मोटरसाइकिल चालक को रोक लिया। आरोपी बाईक चालक ने अपना नाम राजन विन्द पुत्र सुबाष विन्द निवासी पोरईखुर्द थाना खेतासराय बताया।

उधर आयांश की हालत बिगड़ते देख ग्रामीणों ने निजी वाहन से उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कर दिया। इसी बीच मौके का फायदा उठाकर मोटरसाइकिल चालक वाहन से भागने में कामयाब हो गया। देर शाम करीब 9 बजे इलाज के दौरान आयांश की मृत्यु हो गई। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इस दौरान जब मृतक आयांश का शव परिजन घर लेकर पहुंचे तो आयांश के मामा गोविंदा ने डायल 112 पर सूचना दी। घटना की जानकारी होते ही थोड़ी देर में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी अमरेंद्र पाण्डेय ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बक्शा में भीषण चोरी का नहीं हुआ खुलासा

पुलिस की जांच पड़ताल के नाम पर बीत गए 15 दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के कर्तिहां गांव में पूर्व प्रधान जिलेदार के घर 24 दिसंबर की रात हुई बड़ी चोरी का खुलासा अब तक नहीं हो सका है। उक्त घटना में चोरों ने घर का बंद दरवाजा तोड़कर नकदी और जेवरात समेत करीब आठ लाख रुपये का माल पार कर दिया था। घटना के पंद्रह दिन से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। घटना की रात परिवार के सभी सदस्य घर के दूसरे कमरे में सो रहे थे। चोरों ने इसी का फायदा उठाते हुए बंद कमरे का दरवाजा तोड़ा और अलमारी उठा ले गए। सुबह जब घर से कुछ दूरी पर अरहर के खेत में अलमारी टूटी हुई मिली, तब चोरी की जानकारी हुई। मामले में बक्शा थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू की थी। इस दौरान संदेह के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की गई, लेकिन बाद में सभी को छोड़ दिया गया। पुलिस की जांच अब तक किसी निर्णायक बिंदु पर नहीं पहुंच पाई है। घटना के इतने दिन गुजर जाने के बाद भी चोरों का सुराग न लगने से पीड़ित परिवार ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीणों में भी पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि इतनी बड़ी चोरी के बावजूद ठोस कार्रवाई का अभाव चिंता का विषय है। लोग जल्द से जल्द मामले के खुलासे और चोरी गए माल की बरामदगी की मांग कर रहे । क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह का कहना है कि पुलिस छानबीन कर रही है। कुछ अहम सुराग भी मिले हैं जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

अलाव तापते समय आग से महिला झुलसी, हालात गम्भीर, जिला अस्पताल रेफर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के करमही गांव में शुक्रवार की देर शाम को एक 31 वर्षीय महिला अलाव तापते समय आग से गम्भीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे उपचार के सीएचसी चोरसंड लेकर गए। जहां के चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ऊक्त गांव के निवासी सर्वेश कुमार की पत्नी अनीता देवी शाम को लगभग साढ़े छह बजे अपने घर के सामने अलाव ताप रही थी। परिजनों के मुताबिक अलाव तापते समय उठी आग की लपट अनीता के साड़ी में पकड़ लिया और कुछ ही सेकेंड में अनीता जलने लगी। अचानक महिला को जलते देख आस पास से चीख पुकार मच गई।लोगों ने कंबल फेंककर आग को बुझाया। अनीता झुलस कर बेहोश हो गयी।

एलुमनी मीट का भव्य आयोजन, पूर्व छात्रों ने ताजा की मधुर स्मृतियाँ

पटना। संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल में शनिवार को एलुमनी मीट का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न वर्षों के पूर्व छात्र-छात्राएं विद्यालय परिसर में एकत्रित हुए और अपने सुनहरे छात्रा जीवन की स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की प्राचार्या, ग्लेण्डा गॉल्स्टन ने अपने संबोध्न में कहा कि पूर्व छात्रा विद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धियां होते हैं और उनकी सफलता ही संस्था की पहचान है। पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षको के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यालय से मिले संस्कार और शिक्षा ही उनके जीवन की मजबूत नींव बनी। पूर्व छात्र-छात्रा अपने उल्लास पूर्ण बीते दिनों को याद कर भावुक हो गये और वर्ग की स्मृतियो को साझा किया। छात्रों ने विद्यालय के सभागार में अपने व्यावसायिक अनुभवो को साझा करते हुए कहा कि विद्यालय के द्वारा दिये गये उत्कृष्ट संस्कारो से ही आज वो सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं।

वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

मुंबई/भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह एवं पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय विज्ञान के क्षेत्रों में हालिया प्रगति विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल), भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की सचिव श्रीमती उर्मिला शुक्ला सहित संस्कृति विभाग तथा संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संचालनालय से संबद्ध विभिन्न संस्थाओं द्वारा स्थापित सूचना एवं संवादात्मक स्टॉलों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शकों से संवाद किया तथा एक लाइव पॉटरी स्टॉल पर स्वयं मिट्टी के बर्तन बनाने का प्रयास भी किया, जिससे पारंपरिक शिल्पों को विरासत जनसंपर्क गतिविधियों से जोड़ने की पहल की सराहना हुई। औपचारिक कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री के साथ पद्मश्री डॉ. यशोधर मठपाल ने सहभागिता की। इसके पश्चात डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर एवं माँ सरस्वती के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया, जिससे शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का गरिमामय प्रारंभ हुआ।

स्वागत उद्बोधन देते हुए श्रीमती उर्मिला शुक्ला, सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग ने माननीय मुख्यमंत्री, सभी अतिथियों, विद्वानों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने विरासत संरक्षण के क्षेत्र में माननीय मुख्यमंत्री की विशेष रुचि एवं निरंतर प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने उल्लेख किया कि उनके मार्गदर्शन में, विशेषकर आगामी सिंहस्थ कुंभ की तैयारी के दृष्टिगत, प्रमुख विरासत स्थलों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन हेतु ठोस पहलें की गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश के 15 विरासत स्थलों को यूनेस्को सूची में स्थान प्राप्त हुआ है, जो राज्य की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करता है।

उद्घाटन सत्र में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी सम्मिलित रहीं, जिनमें स्मिता नागदेव द्वारा सितार वादन तथा राहुल शर्मा द्वारा कविता पाठ ने कार्यक्रम को एक विशिष्ट कलात्मक आयाम प्रदान किया। प्रशस्ति वाचन आशुतोष उपरित द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. यशोधर मठपाल के योगदान एवं उनके पुरातत्व, शैल-चित्र एवं अन्य कार्यों के महत्व को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा पद्मश्री डॉ. यशोधर मठपाल को डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही, उन्होंने संचालनालय द्वारा प्रकाशित 20वीं शताब्दी के मध्य प्रदेश के स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित दुर्लभ अभिलेखीय चित्रों एवं दस्तावेजों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया, जो अभिलेखागार की ऐतिहासिक भूमिका को उजागर करती है।

आईपीएल 2026 में चयनित हुए मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के पूर्व छात्र रवि सिंह

सफलता किसी की मोहताज नहीं होती है , बस हौसलों के उड़ान की जरूरत होती है

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मऊ जनपद की इमिलिया ग्राम सभा निवासी रवि सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट क्रिकेट प्रतिभा के बल पर क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी में उनका चयन राजस्थान रॉयल्स टीम द्वारा 95 लाख रुपये की बोली पर किया गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ रवि सिंह बल्कि उनके परिवार, गांव, जनपद और शिक्षण संस्थान के लिए भी गर्व का विषय है।

23 मई 2001 को पृथ्वीराज सिंह के घर जन्मे रवि सिंह ने प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ क्रिकेट में निरंतर परिश्रम किया। उन्होंने मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में अध्ययन के दौरान क्रिकेट के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बनाई। वर्तमान में वह रेलवे विभाग में सरकारी सेवा में कार्यरत हैं, लेकिन खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और अनुशासन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। रवि सिंह की इस सफलता पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय और क्षेत्र दोनों के लिए गौरवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रवि सिंह की सफलता यह संदेश देती है कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन से राष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकते हैं। रवि सिंह आज के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस उपलब्धि के पीछे मोहम्मद हसन क्रिकेट अकादमी, वरिष्ठ कोच मोहम्मद शफीक किरमानी तथा पूरी प्रशिक्षण टीम के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आईपीएल 2026 के आगामी मुकाबलों में रवि सिंह राजस्थान रॉयल्स की ओर से मैदान में उतरकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर संपूर्ण कॉलेज परिवार, जनपदवासियों एवं खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कलेक्ट्रेट कचहरी गेट के सामने डिवाइडर से टकराई एंबुलेंस, सड़क पर फैला डीजल

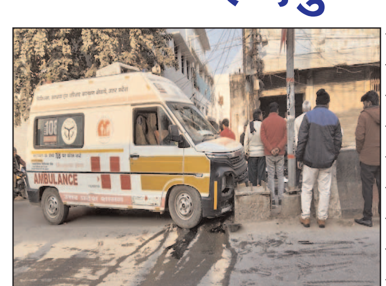

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला अस्पताल में मरीज को भर्ती कराकर वापस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नेहरूनगर सिरकोनी लौट रही एंबुलेंस शनिवार को कलेक्ट्रेट कचहरी के उत्तरी गेट के ठीक सामने डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एंबुलेंस की तेल टंकी फट गई और डीजल सड़क पर फैल गया। डीजल फैलने से सड़क फिसलन भरी हो गई, जिसके कारण कई मोटरसाइकिल सवार संतुलन बिगड़ने से फिसलकर गिर पड़े। हालांकि, गनीमत रही कि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एंबुलेंस चालक मोबाइल फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से जा टकराया। दुर्घटना की सूचना पर आसपास मौजूद लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए अन्य वाहनों को धीमी गति से निकलने की सलाह दी। एंबुलेंस चालक की पहचान सुनील शर्मा पुत्र रमाशंकर शर्मा के रूप में हुई है। दुर्घटनाग्रस्त एंबुलेंस का पंजीकरण संख्या यूपी 32 ईजी 5008 बताई गई है।

राजन खॉन युवा नेता नें खिलाड़ियों से किया परिचय

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय नार्मल स्कूल के मैदान पर चल रही चौधरी चरण सिंह राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में शनिवार को मुबारकपुर की गौसिया स्पोर्टिंग्स के एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में एक गोल से पराजित कर मऊ की यंग स्टार स्पोर्टिंग्स ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर लिया।

मुख्य अतिथि राजन खॉन आर.के. ईंट उद्योग के प्रोप्राइटर एवं तहसील प्रभारी जिला ईंट निमार्ता समिति जौनपुर (संग) जिला जौनपुर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल की शुरूआत की। खेल के पहले हाफ के दसवें मिनट में हो मऊ के खिलाड़ियों ने एक गोल कर के बढ़त बना लिया।मुबारकपुर की टीम लाख प्रयास के बावजूद भी कोई गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने अपना पूरा दमखम लगा दिया किंतु कोई भी गोल करने में दोनों असफल रहे। अंततः वहीं एक गोल निर्णायक सिद्ध हुआ और मऊ की टीम फाइनल में पहुँच गई। खेल के निर्णायक एम एच लल्लन, इजहार आलम,व अमन साहू रहे। रनिंग कमेंट्री वीरेन्द्र यादव वीरू ने किया। इस अवसर पर मारूफ खॉन उर्फ (दरोगा खॉन) इरफान खॉन, (बाबू) रिजवान खॉन, शाहिद खॉन,संयोजक दूधनाथ यादव, क्लब के अध्यक्ष नवीन चंद यादव, राजेश यादव मिश्रा, स्वतंत्र कुमार यादव पप्पू, रमेश प्रजापति, सतनारायण सेठ, सुनील कन्नौजिया

जिला समन्वय समिति की बैठक में प्रभारी मंत्री ने दिए सख्त निर्देश

पात्रों तक शत-प्रतिशत पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ, लापरवाही पर होगी कार्रवाई ए.के. शर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस लाइन सभागार में शनिवार को जनपद प्रभारी मंत्री ए.के.शर्मा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई।

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर हाल में पात्र लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत पहुंचाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायत सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 3

ए.के. शर्मा ने कहा कि सरकार की योजनाएं आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही हैं, ऐसे में इनके क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं है। सभी विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

शीतलहर को लेकर रैन बसेरों की व्यवस्था की समीक्षा

बैठक में शीतलहर को देखते हुए रैन बसेरों और अलाव व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिया कि जनपद के सभी रैन बसेरों में साफ-सफाई, पर्याप्त कंबल, प्रकाश, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने कहा कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खुले में न सोए, इसके लिए नगर निकायों, पुलिस और संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाकर लगातार अभियान चलाया जाए। साथ ही सभी नगर निकायों को ठंड के मद्देनजर प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त संख्या में अलाव जलाने के निर्देश दिए गए।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, शाहगंज विधायक रमेश सिंह, मड़ियाहूं विधायक डॉ. आर.के. पटेल, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिन्सू, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति और डॉ. अजय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया ने सालाना सेल्स में दर्ज किए रिकॉर्ड तोड़ आंकड़े

पटना। बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया ने एक बार फिर से कारों की अब तक की अधिकतम सालाना बिक्री के साथ कारोबार के डायनामिक माहौल में लगातार बेहतरीन परफोर्मेन्स प्रदर्शित किया है। कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2025 में 18001 कारें बेचीं और इस दृष्टि से सालाना 14 फीसदी से भी अधिक बढ़ोतरी दर्ज की है। इस अवधि के दौरान बीएमडब्लू ने 17721 युनिट्स तथा मिनी ने 730 युनिट्स डिलीवर कीं। वहीं बीएमडब्लू मोटोरड ने 5841 मोटरसाइकलों की डिलीवरी दी। हरदीप सिंह ब्रार, प्रेजीडेन्ट एवं सीईओ, बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया ने कहा कि 2025 बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया के लिए रिकॉर्ड तोड़ साल रहा है, इस दौरान हमने अब तक की अधिकतम सेल्स दर्ज की। हमने कारों की बिक्री में 18000 युनिट्स का आंकड़ा पार कर लिया, वास्तव में हम 14 फीसदी से अधिक की जबरदस्त रेट के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जो लक्जरी सेगमेन्ट में एवरेज ग्रोथ रेट से काफी अधिक है। ये आंकड़े उपभोक्ताओं के हमारे ब्राण्ड में भरोसे और उनकी महत्वाकांक्षाओं की पुष्टि करते हैं।

शव दफनाने को लेकर दो पक्षों में चले लाठी डंडे

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में शुक्रवार की सुबह शव दफन करने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद जमकर लाठी डंडे चले जिसमें तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गये ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराते हुए शव को दफन कराया ।

हरिहरपुर गांव निवासी मसीउल्लाह उर्फ मटरु मियां का शुक्रवार की रात्रि में इंतकाल हो गया ।शव दफनाने के लिए घर के सामने परिजन कब्र खोदना शुरू किया। जिसकों लेकर पड़ोसी लाल मोहम्मद व उनके बेटों ने यह कहते हुए विरोध करने लगे कि शव को आबादी के बीच नही बल्की कब्रिस्तान के लिए आरक्षित जमीन में दफन करिए ।लालमोहम्मद के विरोध से नाराज मृतक के बेटे शमीम व अन्य ने कहा कि हमारे पुरखे यहीं दफन हुए हैं, इस लिए हम अपने पिता का शव भी यहीं दफनाएंगे। दोनों पक्षों में हो रही कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। लाठी डंडे चलने लगे ।एक पक्ष से मुन्नू मियां (60) , शमीम (40) व दूसरे पक्ष के सुदद्दू (36) , मैनेजर (37) को गंभीर चोटें आयीं ।सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को समझा कर मामला शांत कराया। पुलिस की मौजूदगी में शव दफन किया गया।